हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 1 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 21.0 डिग्री
न्यूनतम 7.0 डिग्री

10 15 हजार कन्याओं के पूजन के साथ गुप्त.....

10 वार्षिक खेल रैली में बच्चों ने दिखाया दमखम

खबर संक्षेप

उचाना खुर्द गोशाला में आज विधायक पहुंचेंगे

उचाना। श्री गोशाला बाबा फुल्लू साध उचाना खुर्द में 25 जनवरी से महात्मा फुल्लू साध का जन्म उत्सव मनाया जा रहा है। आठ दिन तक मनाए जाने वाले जन्म उत्सव पर एक फरवरी को हवन में पूर्णाहूति होगी। एक फरवरी को मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री, गोसेवा आयोग चेयरमैन श्रवण कुमार होंगे।

गुजरात के राज्यपाल गांव दुमाडा में कल

कैथल। शांति फार्म्स, दुमाडा में 2 फरवरी को /"भारत में प्राकृतिक खेती/" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी होंगे। वे क्षेत्र के किसानों को प्राकृतिक कृषि के लाभों से अवगत कराएंगे। जानकारी सेवानिवृत्त आईजी एवं कार्यक्रम आयोजक राजपाल सिंह ने दी।

गांव दरोली में लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता दो से

उचाना। दो फरवरी को दरोली खेड़ा में शहीद भगत सिंह क्रिकेट क्लब द्वारा 11वीं विशाल लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। सुनील ने बताया कि विजेता को 41 हजार, द्वितीय को 21 हजार, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पाने वाली टीम को 3100-3100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रमुख लोग प्रतियोगिता के हर दिन पहुंचेंगे। 12 फरवरी तक प्रतियोगिता आयोजित होगी।

सीआरएसयू में शैक्षणिक संवाद कार्यक्रम आयोजित

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के जनसंचार विभाग में विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। सीडीएलयू सिरसा से प्रो. अमित सांगवान तथा गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि हिसार से प्रो० माहिर रंजन पात्रा ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान दोनों प्रोफेसरों ने विद्यार्थियों के साथ मीडिया साक्षरता, व मीडिया क्षेत्र में करियर की संभावनाओं जैसे विषयों पर विस्तृत संवाद किया।

चोरी की छह बाइक समेत आरोपित युवक गिरफ्तार

जींद। सीआईए टीम ने बाइक चोरी के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से छह चोरी की बाइक भी बरामद की हैं। सीआइए प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि डाहौला निवासी राजेंद्र ने सिविल लाइन थाना पुलिस को 13 जनवरी को शिकायत देकर कहा था कि उसकी बस स्टैंड पार्किंग से बाइक चोरी हो गई।

संगतपुरा में योग जागरूकता कार्यक्रम

जींद। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत जींद ब्लॉक के संगतपुरा गांव में योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम राजकीय वमावि संगतपुरा स्कूल के परिसर में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दुकान में घुस कर दंपत्ति को पीटा, पांच पर केस

जींद। गांव सिंघपुरा में दुकान में घुस कर दुकानदार तथा उसकी पत्नी के साथ मारपीट करने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव सिंघपुरा निवासी नरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव में परचून की दुकान है।

प्लाट विवाद में हमला करने के आरोपी काबू

कैथल। थाना सिविल लाइन कैथल क्षेत्र के अंतर्गत जनकपुरी कॉलोनी में प्लॉट देखने आए एक युवक पर जानलेवा हमला करने व वाहन में तोड़फोड़ करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सीआईए-1 पुलिस ने 7 आरोपियों को काबू कर लिया है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

सभी राजकीय व प्राइवेट स्कूलों में छात्राओं को निशुल्क सैनेटरी पैड मुहैया करवाना करें सुनिश्चित

सरकारी स्कूलों में धूल फांक रहीं सैनेटरी मशीनें, बस अड्डा व रेलवे स्टेशन पर भी नहीं मिल रही सुविधा

जींद में 302 सरकारी स्कूल हैं, जिसमे 131 सीनियर सैकेंडरी, 81 मिडल विद्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरिभूमि पड़ताल

छात्राओं और सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं को फ्री सेनेटरी पैड की योजना औंधे मुंह पड़ी हुई है। सरकारी स्कूलों में मशीनें तो लगी हैं लेकिन एक साल से सेनेटरी पैड की सप्लाई नही हुई है। वहां लगी मशीनें महज शो पीस बनी हुई हैं। जिले में 302 सरकारी स्कूल हैं। जिसमे 131 सीनियर सैकेंडरी, 81 मिडल स्कूल हैं। कुछ प्राइवेट स्कूलों में जरूर यह सुविधा है। सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की सुविधा उपलब्ध होने का बात करना तो बेमानी है। शिक्षण संस्थानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर छात्र व छात्राओं, पुरूष, महिलाओं के अलग-अलग शौचालय जरूर बने हैं। साफ-सफाई के हालात भी ठीक बने रहते हैं। फिलहाल सरकार की किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखकर शुरू की गई यह योजना जमीनी स्तर पर ठप है। अब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए हैं तो कुछ हालात सुधरने के आसार हैं। पहले सरकारी स्कूलों में किशोरी स्वास्थ्य योजना के तहत छात्राओं को निशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए जाते थे। इससे न केवल उनकी व्यक्तिगत स्वच्छता बनी रहती थी बल्कि मासिक धर्म के दौरान स्कूल से अनुपस्थिति भी कम होती थी लेकिन पिछले एक साल से कई स्कूलों में सैनेटरी पैड नहीं पहुंचे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं के लिए यह समस्या और भी गंभीर है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कई लड़कियां बाजार से सैनेटरी पैड खरीदने में असमर्थ है। कक्षा से छह से कक्षा 12 तक के स्कूलों में मशीनें तो लगी हैं लेकिन उनमें सैनेटरी पैड नही हैं। मजबूरी में छात्राएं कपड़े या अन्य असुरक्षित साधनों का उपयोग करती हैं। जिससे संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। सैनेटरी पैड न होने से किशोरियों की पढ़ाई और स्वास्थ्य दोनो प्रभावित हो रही है। छात्राओं का कहना है कि सैनेटरी पैड न मिलने के कारण कई बार उन्हें स्कूल छोड़ कर घर जाना पड़ता है।

ग्रामीण आंचल स्कूलों के हालात और खराब

जींद। स्कूलों में लगी सैनेटरी पैड मशीनें।

निजी स्कूल सुविधा को लेकर जागरूक

प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो कुछ नामचीन स्कूल जागरूक दिखाई दिए। जिसमें इंडस पब्लिक स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, मोती लाल पब्लिक स्कूल, वुड स्टॉक पब्लिक स्कूल, सुप्रीम स्कूल, गोपाल विद्या मंदिर नवदुर्गा, एसपी स्कूल, रिषिकुल पब्लिक स्कूल समेत कुछ स्कूलों में सुविधा उपलब्ध हैं। इंडस स्कूल के निदेशक सुभाष श्योराण ने बताया कि सैनेटरी पैड सुविधा को प्राथमिक सुविधाओं में रखा गया है।

एक साल से नही सप्लाई : रितु पंघाल

जिला शिक्षा अधिकारी रितु पंघाल ने बताया कि मशीनें स्कूलों में लगी हुई हैं। एक साल से पैड स्पलाई नही हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को गंभीरता से लिया गया है। विभाग को लिखा जा रहा है। सभी स्कूलों में आदेशों का सख्ती से लागू किया जाएगा। निरीक्षण के दौर प्राथमिकता दी जाएगी।

विभाग को लिखा : जैन

रोडवेज जीएम राहुल जैन ने बताया कि बस अड्डों पर यह सुविधा नही है। विभाग को लिखा गया है ताकि सभी बस अड्डों पर सैनेटरी पैड मशीन लगाई जा सके। आदेश आते ही तुरंत कार्रवाई की जाएगी और मशीनें लगाकर सुविधा दी जाएगी।

सुविधा का मिलना जरूरी

समाजसेवी अन्ना टीम के सदस्य सुनील वशिष्ठ ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर सैनेटरी पैड मशीनों का होना बहुत जरूरी है। विशेष दिनों में किशोरियों तथा महिलाओं का काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके इलावा शर्मसार भी होना पड़ता है।

रेलवे स्टेशन पर मशीन नहीं

स्कूलों में सैनेटरी मशीनें तो लगी हैं लेकिन पैड नही होने के कारण शो पीस बनी हुई हैं। बस अड्डा, रेलवे स्टेशन या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर तो सैनेटरी मशीनें ही नही लगी हैं। वहां पर इस सुविधा की बात करना बेईमानी है।

कैथल में जागा प्रशासन कोर्ट के आदेश के बाद भिजवाए 43987 पैड, बंटे ही नहीं

आदेशों को धरातल पर उतारना शिक्षा विभाग के लिए नहीं होगा आसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार को देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक पढ़ने वाली लड़कियों को मुफ्त सैनेटरी पैड उपलब्ध करवाए जाने का आदेश छात्राओं के लिए हितकारी साबित होगा लेकिन इन आदेशों को धरातल पर उतारना शिक्षा विभाग के लिए आसान नहीं होगा। हालांकि शिक्षा विभाग छात्राओं के स्वास्थ्य को लेकर पहले से ही पूरी तरह से सजग नजर आ रहा है। हाल ही में शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी सभी जिलों में पढने वाली छात्राओं के लिए करीब 20 लाख सेनेटरी नैपकिन पैड भेजने का आदेश जारी किया था जिनमें से अधिकतर स्कूलों में यह पैड पहुंच चुके हैं।

यदि कैथल जिले की बात करें तो यहां करीब 156 राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए शिक्षा विभाग ने 43987 पैड भिजवाए गए हैं। जो जल्द ही स्कूलों को मिलने जा रहे हैं। बता दें कि शिक्षा विभाग द्वारा कुछ वर्ष पूर्व छात्राओं के स्वास्थ्य को देखते अधिकतर राजकीय स्कूलों में सेनेटरी नैपकिन पैड के निपटान को लेकर नैपकिन वाइडिंग मशीन भिजवाई गई थी। शुरुआती दिन में यह मशीन ठीक से चली लेकिन कुछ ही माह बाद पैड न मिलने तथा उचित देखभाल न किए जाने से ये दम तोड गई। हालांकि ये मशीन स्कूलों में लगी हुई हैं लेकिन इनमें से अधिकतर धूल फांक रही हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी सभी राजकीय स्कूलों में आवश्यकता अनुसार नैपकिन पैड भिजवाए जाने के दावे कर रहे हैं लेकिन सच्चाई कुछ ओर ही बयां कर रही है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की आंख तले राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पिछले शैक्षणिक सत्र में नैपकिन पैड नहीं मिले। ऐसे में छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि छात्राओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता व प्रशिक्षण को लेकर कैथल की डीसी अपराजिता की टेडी नजर है। डीसी जहां जहां भी दौरा कर रही हैं वहीं स्वच्छता को लेकर गहन जांच कर रही हैं तथा लापरवाही मिलने पर सख्त कार्यवाही करती भी नजर आ रही हैं। हाल ही में डीसी ने बाल भवन तथा राजकीय स्कूल के दौरे के दौरान स्वच्छता न मिलने पर संबंधित मुखियाओं को कडी डांट पिलाई तथा स्पष्टीकरण भी थमाया था।

कैथल। एक कार्यक्रम के दौरान राजकीय स्कूल की छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

खराब मशीनों को ठीक करवाने के दिए आदेश

जिला गणित विशेषज्ञ एवं नैपकिन के नोडल अधिकारी छतरपाल ने बताया कि छात्राओं के स्वास्थ्य को लेकर विभाग पूरी तरह से सजग है। जिले के सभी राजकीय स्कूलों में पढने वाली छात्राओं के लिए 43987 पैड भिजवाए गए हैं। इसके अलावा खराब मशीनों को ठीक करवाने बारे सभी स्कूल मुखियाओं को आदेश दिए गए हैं।

विशेष एसओपी जारी

बता दें कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सेनेटरी नैपकिन पैड व मशीन को लेकर विशेष एसओपी जारी की गई है। इसके अनुसार प्रत्येक विद्यालय में एक नोडल अधिकारी बनाया गया है जिसके साथ एक महिला अधिकारी भी जोडी गई है। छात्राओं को जारी किए गए जाने वाले नैपकिन की बकायदा रजिस्टर में एंटरी की जाएगी तथा प्रधानाचार्य समय समय पर रजिस्टर की जांच करेंगे। इसकी रिपोर्ट स्कूल मुखिया द्वारा समय पर उच्चाधिकारियों को भी दी जाएगी।

ये हैं कोर्ट के आदेश

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया है कि देश के सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक पढ़ने वाली लड़कियों को फ्री सैनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं। यह फैसला मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि छात्राओं का अधिकार है उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक माहौल मिले। कोर्ट ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे अलग-अलग जेंडर के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था करें।

जुलाना में दो ट्रकों की टक्कर टायर बदल रहे चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 152डी पर बुढ़ा खेड़ा लाठर गांव के पास दो ट्रकों की आपस में टक्कर हो गई। जिसमें एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रक चालक बालिस नारनौल से अंबाला की ओर जा रहा था जब वह बुढ़ा खेड़ा के पास पहुंचा तो ट्रक का टायर पंचर हो गया था। जिसके बाद ट्रक को खड़ा कर चालक व कंडक्टर टायर बदल रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे अन्य ट्रक ने ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टायर बदल रहे शामली निवासी 22 वर्षीय चालक बालिस की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। सूचना मिलते ही जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रक का चालक मौके से फरार

पुलिस जांच अधिकारी सोमित कुमार ने बताया कि शनिवार को एनएच 152डी पर सड़क हादसे की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बालिस निवासी पंजिठ, जिला शामली की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के शव को एंबुलेंस के जरिये नागरिक अस्पताल जींद भिजवाया गया है। वहीं ट्रक का हेल्पर गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद टक्कर मारने वाले ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया है। जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रेन के ट्रायल को लेकर एक माह से प्लांट में टेस्टिंग का काम जारी

तीन मीटर खरीद कर टीडीएस की जांच की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को लेकर पिछले एक महीने से प्लांट में टेस्टिंग का काम जारी है। पिछले दिनों गैस में नमी आ गई थी। इसकी जांच के लिए अब इंदौर से मैकेनिक जींद पहुंचे हैं। मैकेनिक इलेक्ट्रोफायर की जांच करेगा ताकि हाइड्रोजन गैस का बेहतर उत्पादन हो सके। जनवरी माह के बीच में बढ़ी सर्दी के कारण गैस में नमी आ गई थी। इस कारण बाहर से टेंकर में नई हाइड्रोजन गैस मंगवाई गई थी। इसे ट्रेन के इंजन में भरकर भंभेवा स्टेशन पर ले जाया गया है। वहां इंजन को स्ट्राट कर उसकी आवाज, ईंधन खपत, लोड, ब्रेक सिस्टम, तकनीकी क्षमता सहित इंजन में लगे अन्य उपकरणों की जांच दिन तीनों से जारी है।

टीडीएस का डाटा अपडेट करने के निर्देश

जांच पूरी होने के बाद हाइड्रोजन ट्रेन के इंजन को जींद वापस लाया जाएगा। बता दें कि एक जनवरी को दिल्ली से हाइड्रोजन ट्रेन को दिल्ली से जींद लाया गया था। तभी से हाइड्रोजन प्लांट में टेस्टिंग जारी है। पिछले सप्ताह पीसीएमई प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर डिंपी गर्ग ने अपनी टीम के साथ हाइड्रोजन प्लांट का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने पानी के टीडीएस जांच के लिए मीटर खरीदने के निर्देश दिए थे और टीडीएस का डाटा हर रोज बोर्ड पर अपडेट करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद यहां कर्मचारियों ने तीन टीडीएस मीटर खरीद कर टीडीएस की जांच शुरू कर दी है। वहीं ट्रेन के इंजन की जांच भंभेवा में की जा रही है। यहां ट्रेनों का आवागमन व शोर कम होने के कारण इंजन का लाया गया है ताकि स्टीक जांच की जा सके।

विदेशी रिश्तेदार बन अज्ञात ने 12.40 लाख रुपये ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गांव फरल निवासी एक किसान से विदेश में रह रहे रिश्तेदार बनकर अज्ञात ठग ने 12.40 लाख रुपए की साइबर ठगी कर ली। ठगों ने खुद को पीड़ित का करीबी रिश्तेदार बताते हुए पहले तो विश्वास में लिया और फिर अलग-अलग बहाने से बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर करवा लिए। मामले में साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव फरल निवासी गुरुचरण सिंह ने बताया कि वह किसान है। 8 जनवरी को उसके मोबाइल पर एक नंबर से व्हाट्सप के माध्यम से कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि वह इंग्लैंड से उसके भांजे का बेटा लवली बोल रहा है। साथ ही कहा कि उसे कुछ समय बाद भारत आना है। कुछ रुपए भारत भेजने की बात कहकर उसने उसका खाता नंबर ले लिया।

मां बीमार का बहाना

कुछ देर बाद कहा कि उसने खाते में 14.65 लाख भेज दिए हैं। फिर कॉल आई कि आपके खाते में विदेश से पैसे भेजे गए हैं, जो कल तक बैंक खाते में आ जाएंगे। फिर आरोपी ने दूसरे नंबर से कॉल करके कहा कि उसके एजेंट का भारत से आपको फोन आएगा तो वो जितने रुपए मांगे तो उसे दे देना। थोड़ी देर के बाद आरोपी ने एजेंट बनकर दूसरे नंबर से कॉल की और 2.20 लाख भेजने के लिए कहा। आरोपी ने कहा कि उसकी मां बीमार है व उसे पैसे की जरूरत है। ऐसे में आरोपी ने अलग-अलग बहाने बनाकर उससे 12.40 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। अगले दिन जैसे ही वह बैंक से पैसे निकलवाने के लिए गया तो पता चला कि उसके खाते में कोई पैसा नहीं आया है। तब उसे शक हुआ कि उसके साथ साइबर ठगी हुई है।

कुरुक्षेत्र राज्य स्तरीय संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह में 109 बसें भेजने से आई दिक्कत

जींद: दिनभर बसों के इंतजार में भटकते रहे यात्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कुरुक्षेत्र के उमरी में आयोजित राज्य स्तरीय संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह में जींद से 109 भेजी गई। इस कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि पहले जींद से 150 बस भेजे जाने की योजना थी। जिसमें से 50 बस रेवाड़ी डिपो से आनी थी लेकिन रेवाड़ी से पर्याप्त संख्या में बस नहीं आने पर जींद से नौ और अतिरिक्त बस कुरुक्षेत्र भेजी गई। शनिवार को डिपो से 109 रोडवेज बस कार्यक्रम में भेजी गई। जींद से अलसुबह चलने वाले सुबह चार बजकर 20 मिनट चंडीगढ़, सुबह साढ़े पांच बजे गुरुग्राम, सुबह पांच बजकर 20 मिनट पर जयपुर, सुबह पांच बजकर 20 मिनट और सात बजकर 50 मिनट पर हरिद्वार, पांच बजकर 50 मिनट पर अमृतसरए आठ बजकर 20 मिनट पर लुधियाना, सुबह सात बजकर दस मिनट पर सालासर के साथ-साथ दिल्ली जैसे रूट पर चलने वाली बसों के टाइम मिस रहे। इसके अलावा सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर जींद से पांवटा साहिब जाने वाली बस को केवल करनाल तक भेजा गया। वहीं दिन में डाहौला, अलेवा, किठाना व खुंगा जैसे ग्रामीण रूट भी बाधित रहे। इसके अलावा दिन में रोहतक, कैथल व भिवानी जैसे रूट पर यात्रियों को एक-एक घंटा बसों का इंतजार करना पड़ा। आमतौर पर हर 10 से 12 मिनट में बूथ से बस चलती है लेकिन शनिवार को बस नहीं होने से यात्रियों को काफी देर तक बसों का इंतजार करना पड़ा। जींद डिपो में 165 रोडवेज बस हैं। जिसमें से किलोमीटर स्कीम की 37 बस शामिल हैं। शनिवार को उमरी में कार्यक्रम में जींद से 109 बस जाने पर यात्रियों के लिए केवल 56 बस ही उपलब्ध रही।

जींद। बस अड्डा पर परेशान यात्री। *फोटो :हरिभूमि*

आज सुचारू रूप से चलेंगी बसें

जींद डिपो के डीआई सुनील पूनिया ने बताया कि रविवार को सभी बसों का संचालन निर्धारित रूट पर चलाया जाएगा। रविवार से यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। शनिवार को उमरी में आयोजित कार्यक्रम में जींद से काफी बस भेजी थी। इस कारण कुछ रूट पर बसों के टाइम मिस रहे। शनिवार को पर्याप्त संख्या में बस नहीं होने पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूंडरी। बैठक में मौजूद मैरिज पैलेस एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य।

मैरिज पैलेस एसोसिएशन ने तय किए सख्त नियम

पूंडरी। मैरिज पैलेस एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक ढांड मार्ग स्थित द हैवन रिसोर्ट में आयोजित की, अध्यक्षता प्रधान गौरव वालिया ने की। बैठक में क्षेत्र के मैरिज पैलेस संचालकों से जुड़े विभिन्न संचालन, व्यवस्था और आर्थिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया कि 1 अप्रैल से किसी भी मैरिज पैलेस में क्रोकरी से जुड़ी वस्तुएं जैसे टब, पतीले, परांत, प्लेट सहित अन्य सामान पैलेस संचालकों द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। एसो का मानना है कि व्यवस्था से संचालकों पर बढ़ते खर्च और जिम्मेदारी का बोझ कम होगा तथा व्यवस्थाएं अधिक सुचारु रूप से संचालित की जा सकेंगी। इसके अलावा बुकिंग समय को लेकर भी नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया। तय किया कि दोपहर के समय होने वाले सभी कार्यक्रमों की समय-सीमा शाम 5 बजे तक ही रहेगी। यदि कोई कार्यक्रम निर्धारित समय से आगे चलता है तो उसके लिए प्रति घंटे के हिसाब से अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। एसो ने स्पष्ट किया कि नियम सभी मैरिज पैलेसों पर समान रूप से लागू होगा। बैठक में यह भी चेतावनी दी कि यदि कोई संचालक नियमों की अवहेलना करता पाया तो उसके खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

अश्लील हरकत का विरोध करने पर महिला को पीटा

जींद। सफीदों गेट पर अशील हरकत का विरोध करने पर महिला से मारपीट करने पर शहर थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मारपीट करने, अशील हरकत करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है।सफीदों गेट निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस मोहल्ले के ही साहिल ने उसकी पत्नी के साथ अश्लील हरकत की।

अग्रवाल सदन का भूमि पूजन आज

नरवाना। अग्रवाल धर्मशाला समिति नरवाना द्वारा निर्माणधीन अग्रवाल सदन का भूमि पूजन और शिलान्यास एक फरवरी रविवार को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। तरसेम बंसल बाता वाले ने बताया कि अग्रवाल सदन का भूमि पूजन और शिलान्यास के मुख्य अतिथि मनमोहन मित्तल गवर्नमेंट ठेकेदार होंगे जो कि आजकल पानीपत में रहते हैं। भगवान दास फरैन वाले ने जानकारी दी की यह धर्मशाला आज के समय की आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी।

अलग-अलग स्थानों से दो युवतियां लापता

जींद। जिले में दो युवतियों के गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। सफीदों निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात उसकी बेटी घर से गायब हो गई। वहीं जुलाना थाना एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 27 जनवरी को उसकी बेटी घर से गायब हो गई।

मानसिक स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता कार्यशाला

जींद। अलेवा के रा. कालेज में छात्र मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रकोष्ठ द्वारा शनिवार को छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। अध्यक्षता प्राचार्य मुनीष कुमार ने की तथा मुख्य तौर पर रोहतक के लाखनमाजरा के राजकीय महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा. विनोद कुमार ने हिस्सा लिया।

प्रजापति हीरोज संगठन की प्रदेशाध्यक्ष बनी हेमलता

जुलाना। जुलाना कस्बे के वार्ड 11निवासी हेमलता प्रजापति को भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन की महिला प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त कियाहै। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष सरिता कुमारी ने हेमलता प्रजापति को नियुक्ति पत्र सौंपा। हेमलत्ता प्रजापति ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है उस पर वो खरा उतरते हुए समाज के उत्थान और विकास के लिए काम करेंगी।

पंडित जसराज की जयंती पर कार्यक्रम कल

जींद। भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान साधक, पद्म विभूषण एवं संगीत मार्तंड पंडित जसराज की जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय महोत्सव एवं उनकी प्रतिमा के अनावरण समारोह का आयोजन दो फरवरी को प्रातः 11 बजे शहीद जगदीश चंद्र कडवासरा खेल स्टेडियम, पुलिस लाइन फतेहाबाद में किया जाएगा।

सद्भाव यात्रा को मिल रहा जन समर्थनः सुरेंद्र गर्ग

उचाना। मार्केट कमेटी पूर्व वाइस चेयरमैन सुरेंद्र गर्ग ने कहा कि सदभाव का संदेश लेकर पूरे प्रदेश के लिए निकले पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा को लोगों को जबरदस्त जन समर्थन मिल रहा है। तीन चरणों में 42 हलकों में वो जा चुके है। अब चौथे चरण में यमुनागर जिले में वो सद्भाव यात्रा के तहत पहुंचे है। निरंतर पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह का मार्गदर्शन यात्रा में मिल रहा है।

रिद्धिमा कौशिक ने किया नाम रोशन : अनिल शर्मा

उचाना। वर्ल्ड एसो ऑफ किक बॉक्सिंग आग्रेनाइजेशन द्वारा जारी वर्ल्ड रैकिंग में रिद्धिमा कौशिक में नंबर वन रैकिंग पाने पर खाप समाज सेवी संगठनों, शिक्षाविदों ने रिद्धिमा एवं परिवार को बधाई देते देश के लिए उपलब्धि बताया। ब्राह्मण चौबीसी प्रधान अनिल शर्मा ने कहा कि भौंगरा की बेटी रिद्धिमा ने क्षेत्र प्रदेश, देश, विदेश में रोशन करने का काम किया है।

जयंती देवी मंदिर में 130 स्कूलों से पहुंची छात्राएं

15 हजार कन्याओं के पूजन के साथ गुप्त नवरात्रे संपन्न

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय ने 11 लाख देने का किया ऐलान

सांसद सतपाल ब्रह्मचारी सोलर पैनल सैट लगवाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद के जिस जयंती देवी मंदिर में समुंद्र मंथन के समय देव सेनापति जयंत ने दानवों से अमृत कलश पाने और पांडवों ने विजय के लिए पूजा, अर्चना की थी वहीं पर शनिवार को 15 हजार कन्याओं का महापूजन हुआ। महापूजन समारोह में बतौर मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे राज्य सभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने मां स्वरूप कन्याओं की पूजा अर्चना करने के साथ-साथ उनको अपने हाथों से भोजन कराने के बाद राजकीय मंदिर परिसर में शैड के लिए 11 लाख की ग्रांट देने की घोषणा की। वहीं सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने सोलर पैनल सैट लगवाने की आहुति डालने का ऐलान किया। सोनीपत सांसद की तरफ से उनके प्रतिनिधि के तौर पर वजीर गांगोली मंदिर परिसर में पहुंचे। समारोह में दूर दराज से अनेको संत महात्मा पहुंचे हुए थे। गुप्त नवरात्रों की शुरूआत से पुजारी नवीन कुमार शास्त्री के सान्निध्य में मानव कल्याण के लिए प्रतिदिन होने वाले शतचंडी पाठ एवं महायज्ञ मुख्यअतिथि सांसद कार्तिकेय शर्मा की पूर्णाहूति के साथ संपन्न हुआ। 11 हजार कन्यओं की संख्या का लक्ष्य लेकर चले श्रद्धालुओं को 15 हजार कन्याओं के भोजन की व्यवस्था के लिए कड़ी एक्सरसाइज करनी पड़ी। हजारों श्रद्धालुओं में यह मां की भक्ति की शक्ति ही थी कि उन्होंने व्यवस्था को पूरी तरह से संभाले रखा। सुरक्षा के दृष्टिगत शहर थाना प्रभारी दिनेश कुमार भी पूरे दल.बल के साथ मौजूद रहे। पूर्णाहुति के समय साधु व संतों के अलावा हजारों की संख्या में माता भक्त मौजूद थे। मां की भेंट गा रहे कलाकारों की धून के साथ श्रद्धालु जमकर झूमे। भक्ती का रस इस कद्र सरोबार हो रहा था कि स्कूल में पढने वाली छात्राओं के साथ आई हुई टीचर भी झूमने को मजबूर हो गई। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मां जयंती के दरबार में भव्य कन्या पूजन में शामिल होकर खुद को बड़ा सौभाग्यशाली समझ रहा हूं। मंदिर के पुजारी और श्रद्धालु 39 वर्षो से बेटियों की महत्ता को लेकर जो कार्यक्रम आयोजित करते है।

जींद। मां जयंती की पूजा करते राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा।

समारोह को बताया महिला शक्ति का सम्मान

जयंती देवी मंदिर पुजारी नवीन शास्त्री ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ-साथ मां की लाल चुनरी भी प्रदान की। अतिथियों ने अपने हाथों से कन्याओं में फल वितरित करने के साथ.साथ उनको दान दिया। अतिथियों ने मां जयंता देवी की पूजा अर्चना कर मानव कल्याण के लिए प्रार्थना की। मंदिर में पहुंचे अतिथियों ने कहा कि माता के दरबार में इतना बड़ा कन्या पूजन समारोह हरियाणा के लिए मिसाल है। क्योंकि मंदिर में भव्य कार्यक्रम को देखकर यह साफ तौर पर प्रतीत होता है कि इतना बड़ा समारोह हरियाणा में कहीं ओर नहीं होता होगा। देश की संस्कृति अनादिकाल से ही महिलाओं को मान व सम्मान देती आई हैं।

श्रद्धालुओं की श्रद्धा उमड़ी

मानव कल्याण और विश्व भर में सुख समृद्धि लाने के लिए शहर के महाभारतकालीन श्री जयंती देवी मंदिर में 18 जनवरी से दुर्गा सप्तशती के 108 पाठ एवं शतचंडी यज्ञ के साथ सवा लाख निवार्ण मंत्रों के जाप का गुप्त नवरात्रों में प्रतिदिन चला आ रहा था। मां के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने 130 स्कूलों से पहुंची 15 हजार कन्याओं की पूजा व अर्चना के साथ भोजन कराया। कन्याओं के पूजन के दौरान श्रद्धालुओं की श्रद्धा उमड़ रही थी। पुजारी नवीन शास्त्री व सुनील ने बताया कि महापूजन में 130 स्कूलो की 15 हजार कन्याओं ने शिरकत की। 24 हजार लोगों का भंडारा लगातार सात घंटे तक चलता रहा।

माघ पूर्णिमा आध्यात्मिक चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा का संगम : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एक फरवरी को सनातन संस्कृति का पावन पर्व माघ पूर्णिमा एक अत्यंत दुर्लभ संयोग में मनाया जाएगा। इस वर्ष पूर्णिमा तिथि पर नक्षत्रों के राजा पुष्य नक्षत्र और रवि पुष्य योग का महासंगम हो रहा है। इस महापर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते एडवोकेट एवं ज्योतिषाचार्य सुदेश शर्मा ने इसके वैज्ञानिक और ज्योतिषीय पक्षों को साझा किया। शर्मा ने बताया कि एक फरवरी को पूर्णिमा के साथ पुष्य नक्षत्र का होना इसे आध्यात्मिक और भौतिक दोनों दृष्टियों से सिद्धिदायक बनाता है। कहा कि पुष्य नक्षत्र के स्वामी शनि देव हैं और इसकी प्रकृति पोषण करने वाली है। रविवार को पुष्य नक्षत्र होने से रवि पुष्य योग बन रहा है। जो नई शुरुआत, खरीदारी और साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। अपनी संस्था के शिक्षा आधार का उल्लेख करते हुए सुदेश ने बताया कि हमारी प्राचीन पद्धति प्रकृति के सूक्ष्म बदलावों को समझती है।

श्री यंत्र की पूजा विशेष लाभकारी

ज्योतिषाचार्य सुदेश शर्मा के अनुसार इस दिन दान का फल अक्षय होता है। चूंकि चंद्रमा अपनी स्वराशि कर्क में होंगे। इसलिए ये मानसिक शांति और माता के स्वास्थ्य के लिए विशेष पूजन का दिन है। आह्वान किया कि इस दिन अन्न या विद्या का दान अवश्य करना चाहिए। सुदेश शर्मा ने कहा कि रवि पुष्य योग का लाभ इस दिन मंत्र साधना और श्री यंत्र की पूजा विशेष लाभकारी है। अर्धरात्रि पूजन महालक्ष्मी की कृपा प्राप्ति के लिए पूर्णिमा की रात्रि का विशेष महत्व है। संदेश दिया कि हम समृद्ध, इंडियन नॉलेज सिस्टम पर गर्व करें और इन वैज्ञानिक पर्वों के जीवन को अनुशासित और समृद्ध बनाएं।

जींद। सीएमओ को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

रक्तदान महादान इसका विकल्प नही : सीएमओ

जींद। महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन जींद द्वारा जिले में रक्तदान को निरंतर बढ़ावा देने एवं स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जिला स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमओ) डा. सुमन कोहली को सम्मानित किया। यह सम्मान रक्तदान के क्षेत्र में उनके मार्गदर्शन, सहयोग एवं प्रेरणादायी भूमिका के लिए प्रदान किया गया। डिप्टी सीएमओ डा. राजेश भोला, डा. विजेन्द्र ढांडा, एमओ डा. मंजीत धीमान तथा संस्था के अध्यक्ष राजकुमार भोला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष राजकुमार भोला ने जानकारी देते बताया कि सीएमओ के कुशल दिशा-निर्देशों में जिले में नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिससे ब्लड बैंक में रक्त की उपलब्धता बनी रहती है और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त मिल पाता है।

साधिका बन पूनम जैन जगाएगी धर्म की अलख

उचाना। बीए तक पढ़ाई करने वाली 49 साल की दिल्ली की पूनम जैन साधिका बन धर्म की अलख जगाएगी। समाज में फैल रही बुराइयों से दूर रहने, धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश वो देगी। 15 फरवरी को फतेहबाद जिले के कुला में संघ प्रमुख आज्ञम ज्ञाता अरूण चंद्र महाराज के सान्निध्य में साधिका दीक्षा का भव्य कार्यक्रम होगा। साधिका चंदन बाला भी इस दौरान मौजूद रहेगी। साधिका बनने वाली पूनम जैन ने बताया कि बचपन से ही धर्म के रास्ते पर चलने की मन में थी। पंजाब में साध्वी शांति महाराज, कांता महाराज के साथ वो रही। गुरू अरूण चंद्र महाराज, साधिका चंदनबाला की प्रेरणा से साधिका बन धर्म का प्रचार कर जन.जन को प्रेरित करने का फैसला लिया है। मोह, माया से दूर रहकर धर्म का प्रचार कर भगवान महावीर स्वामी के जीओ और जीने दो का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगी।

वरिष्ठ अंग्रेजी विशेषज्ञ डा. अनीता सेवानिवृत्त

जींद। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)परिसर में वरिष्ठ अंग्रेजी विशेषज्ञ डा. अनीता श्योरान के सेवानिवृत्ति पर भव्य एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं भावनात्मक वातावरण में किया। संस्थान के समस्त अधिकारीगण, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं आमंत्रित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन एवं स्वागत उद्बोधन से हुई। इसके पश्चात स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रस्तुत हृदयस्पर्शी गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से डा. अनीता श्योरन के प्रति अपने भाव व्यक्त किए गएए जिसने पूरे वातावरण को भावुक बना दिया। इस विशेष अवसर पर डा. अनीता श्योरन की मौसी एवं सासू मां कनाडा से विशेष रूप से पधार कर उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान किया। जिससे समारोह और भी स्मरणीय बन गया।

वरिष्ठ अंग्रेजी विशेषज्ञ डा. अनीता श्योरान सेवानिवृति पर साथियों के साथ।

जींद। हार्दिक को सम्मानित करते स्कूल स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

हार्दिक यादव ने जीता रजत पदक

जींद। पुणे में आयोजित 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में वुड स्टॉक स्कूल के होनहार छात्र हार्दिक यादव ने कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते स्कूल और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। कक्षा 11वीं के छात्र हार्दिक यादव पुत्र नवीन यादव ने अंडर 19, 82 किलोग्राम कराटे वर्ग में उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते रजत पदक अपने नाम किया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों के बीच हार्दिक ने अनुशासन, दृढ़ संकल्प और तकनीकी दक्षता का अद्भुत प्रदर्शन किया। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष और गर्व का वातावरण व्याप्त है। निदेशक डा. नरेंद्र नाथ शर्मा ने हार्दिक को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करना किसी भी विद्यार्थी के लिए अत्यंत गौरव का विषय होता है।

उचाना के विकास को लेकर किया मंथन

उचाना। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने दिल्ली स्थित केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के आवास पर मुलाकत की। विभिन्न मुद्दों पर मुलाकात के साथ उचाना के समग्र विकास को लेकर भी चर्चा की। अत्री ने कहा कि निरंतर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर मार्गदर्शन प्राप्त करते है। 2014 में प्रदेश में पहली बार भाजपा की सरकार बनी जब प्रदेश की बागडोर संभालते सीएम मनोहर लाल बने तो ऐसा ऐतिहासिक काम करने का काम किया है, जिसकी प्रशंसा आज दूसरे राज्यों में हो रही है। अब से पहले की सरकारों में नौकरियों में जो पर्ची, खर्ची चलती थी उसको बंद कर योग्यता के आधार पर रोजगार प्रदेश के युवाओं को दिया। आज उसी को आगे बढ़ाने का काम सीएम नायब सिंह सैनी कर रहे है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

जींद। सेवानिवृति पर विदाई देते डीएसपी। फोटो :हरिभूमि

पुलिस विभाग से नौ कर्मी सेवानिवृत्त

जींद। पुलिस विभाग से शनिवार को नौ कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए। डीएसपी संजय कुमार ने इन कर्मचारियों को कार्यक्रम में विदाई दी और उनको सम्मानित किया। डीएसपी संजय कुमार ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि अपने जीवन का अमूल्य समय पुलिस विभाग तथा जनता की सेवा में लगाने पर सकुशल सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी खुद को हर जिम्मेदारी से रिटायर नहीं समझ कर समाज सेवा के कार्यों में लिप्त रखें। अपने परिवार को ज्यादा से ज्यादा समय दें। वह अपने आने वाले जीवन में अपने परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करने का प्रयास करें। समाज में रह कर पुलिस के प्रति लोगों की सोच को बदलने की कोशिश करें। र

जींद। रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेते छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

गतिविधियों में भाग लेने के लिए किया प्रेरित

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय प्रांगण में चुनावी साक्षरता क्लब द्वारा रंगोली निर्माण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डा. पूनम मोर ने की। छात्राओं के उत्साह व रचनात्मकता की सराहना करते कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल प्रतिभा को निखारती हैं बल्कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करती हैं। छात्राओं को निरंतर ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संपूर्ण संयोजन चुनावी साक्षरता क्लब की संयोजिका डा. सुषमा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। छात्राओं को संबोधित करते कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त होता है जब प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करता है।

गड्ढों में तबदील सड़क का होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

करीब 18 साल पहले बनी फायर ब्रिगेड के पास अतिरिक्त मंडीए कपास मंडी के पास वाली सड़क का निर्माण होगा। गड्ढों में तबदील हो चुकी सड़क से किसान, राहगीर, आढ़ती परेशान थे। कपास मंडी के पास वाली सड़क में गड्ढे कम सड़क कम रह गई है। बार-बार की जा रही नए सिरे से निर्माण की मांग अब पूरी हुई है। मार्केटिंग बोर्ड द्वारा दोनों तरफ बनी सड़क के निर्माण को लेकर पैमाइश कर ली है। अब इसका अस्टीमेट बना कर मुख्यालय भेजा जाएगा। पंकज करसिंधु, सतपाल, मनोज, राजा ने कहा कि कपास मंडी, फायर ब्रिगेड के पास वाली मंडी के पास बहुत पहले सड़क बनी थी। नगर पालिका द्वारा दोनों तरफ सड़क बनाई गई थी। सड़क में गड्ढे होने से फसल के सीजन में किसानों को परेशानी होती थी। क्योंकि उबड़ खाबड़ सड़क होने से लोडिंग फसल के वाहन का पलटने का डर भी रहता है। अब दोनों सड़कों का निर्माण मार्केटिंग बोर्ड द्वारा करवाया जाएगा। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री जब उचाना मंडी बीते दिनों आए थे तो ये मांग की थी। विधायक ने तुरंत प्रभाव से निर्माण को लेकर निर्देश दिए थे। अब सड़क निर्माण की पैमाइश का काम पूरा हो चुका है। सड़क निर्माण की उम्मीद अब लोगों को हुई है।

उचाना। कपास मंडी के पास कच्चे रास्ते में तबदील हुई सड़क।

हो चुकी पैमाइश

मार्केटिंग बोर्ड के एसडीओ रोशन मोर ने बताया कि कपास मंडी, फायर ब्रिगेड के पास काफी पहले सड़क बनी थी। दोनों सड़कों के निर्माण के लिए पैमाइश हो चुकी है। अस्टीमेट बना कर मुख्यालय भेजा जाएगा। अप्रूवल मिलने के बाद टेंडर लगाया जाएगा।

जींद। बैठक में सम्मेलन की जानकारी देते प्रधान राजकुमार गोयल।

वैवाहिक परिचय सम्मेलन 8 मार्च को

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल ने बताया कि विवाह योग्य अग्रवाल युवक युवतियों के लिए वैवाहिक रिश्तों का सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आठ मार्च को अग्रवाल भवन सेक्टर 16 पंचकूला में वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। गोयल अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। गोयल ने कहा कि आज के समय में जब रिश्ते तय करने की प्रक्रिया जटिल होती जा रही है। ऐसे में वैवाहिक परिचय सम्मेलन समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। यहां परिवार एक ही स्थान पर बच्चों की शिक्षा, योग्यता, संस्कार और पारिवारिक पृष्ठभूमि की सही जानकारी प्राप्त कर पाते हैं। जिससे रिश्ते सोच समझकर तय किए जा सकते हैं। साथ ही समाज के प्रतिष्ठित और जिम्मेदार लोगों की उपस्थिति से सम्मेलन की गरिमा और विश्वसनीयता और अधिक बढ़ जाती है। सावर गर्ग, रामधन जैन, पवन बंसल, सोनू जैन, रजत सिंगला, गोपाल जिंदल, सुनिल गोयल आदि मौजूद रहे।

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में वार्षिक खेल उत्सव

वार्षिक खेल रैली में बच्चों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में वार्षिक खेल उत्सव के अंतर्गत एक भव्य और अनुशासित वार्षिक खेल रैली का आयोजन अत्यंत उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ किया। इसका उद्देश्य छात्रों में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहित करना तथा अनुशासन, टीम वर्क और राष्ट्र भावना जैसे मूल्यों को सुदृढ़ करना था। विद्यालय परिसर इस अवसर पर प्रेरक नारों और तालियों की गूंज से जीवंत हो उठा। मुख्य अतिथि डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि रुद्राक्ष मिढ़ा एवं विशिष्ट अतिथि रिंकू खरेंटी कबड्डी खिलाड़ी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। दोनों अतिथियों का विद्यालय प्रशासन द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने हरी झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। हरी झंडी लहराते ही छात्रों के चेहरों पर उत्साह छलक पड़ाव रैली ने अनुशासनबद्ध पंक्तियों में आगे बढ़ना प्रारंभ किया। भव्य रैली स्कूल से प्रारंभ हो अर्बन इस्टेट, एकलव्य स्टेडियम तथा आसपास के प्रमुख मार्गों से होते पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। रैली मार्ग पर छात्रों ने खेलों के महत्व, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, स्वच्छता, नशामुक्ति व सकारात्मक जीवनशैली से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर बैनर और नारे प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि रुद्राक्ष मिढ़ा ने विद्यार्थियों की ऊर्जा, अनुशासन और प्रस्तुति की प्रशंसा करते कहा कि खेल जीवन को दिशा देते हैं और असफलताओं से सीखने की क्षमता विकसित करते हैं।

जींद। वार्षिक खेल रैली को रवाना करते मुख्यातिथि। फोटो :हरिभूमि

खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं है बल्कि ये जीवन में अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व और सहयोग की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास संभव है और विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढने के अवसर प्रदान करना है।

जांच करते हरियाणा राज्य बागवानी एजेंसी पंचकूला से मिशन निदेशक डा. जोगिंद्र सिंह।

बागवानी विभाग की योजनाएं बताई

जींद। हरियाणा राज्य बागवानी एजेंसी पंचकूला से मिशन निदेशक डा. जोगिंद्र सिंह ने उद्यान कार्यालय का दौरा किया। जिला उद्यान अधिकारी डा. बनीत यादव ने बताया कि ब्लाक वाइज रिव्यू मिटिंग ली गई और बागवानी विकास कार्यों पर चर्चा की गई। मिशन निदेशक ने कहा कि जिला जींद पिछले सात-आठ सालों से बागवानी कार्यों में अव्वल जिलों में शामिल रहा है। मीटिंग उपरांत गांव बीबीपुर में दौरा किया। वहां 20-30 किसानों द्वारा लगभग 100 एकड़ में सब्जियों की खेती की जाती है व गांव खरकरामजी में बन रहे नेट हाउसों का निरिक्षण किया गया। मिशन निदेशक डा. जोगेंद्र सिंह द्वारा किसानों को रफरिजरेटिड वैन पर अनुदान बारे बताया गया ताकि किसान अपना ताजा उत्पाद गुरुग्राम जैसे शहरों की सोसाइटी में पहुंचा कर अच्छा मुनाफा कमा सके। उन्होंने किसानों को बागवानी विभाग की महत्वपूर्ण स्कीम के बारे में जानकारी दी।

खबर संक्षेप

आढ़त का भुगतान ब्याज समेत किया जाए: फौजी

कैथल। अनाज मंडी के आढ़तियों ने सरकार से मांग की है कि धान पर लगने वाले आढ़त का भुगतान ब्याज समेत किया जाए। मंडी पूर्व प्रधान रणधीर सिंह फौजी ने बताया कि पाई अनाज मंडी से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा धान की खरीद की गई थी। धान का सीजन समाप्त हुए लगभग तीन माह हो गए हैं, परंतु खरीद एजेंसी ने अभी तक आढ़त का भुगतान नहीं किया गया। इस खरीद एजेंसी द्वारा किसानों की धान आढ़तियों से खरीद की गई थी।

पुलिस टीम ने जनवरी में 88 मोबाइल ढूंढे : एसपी

कैथल। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला की साइबर सेल जहां अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने में अहम भूमिका निभा रही है वहीं जिला की साइबर सेल प्रभारी एएसआई राकेश की अगुवाई में एएसआई रणदीप सिंह, एचसी दीपक, एचसी सुरेंद्र सिंह व सिपाही अनिल कुमार की टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटा कर जनवरी माह में आमजन के गुम हुए करीब 14 लाख रुपये से अधिक कीमत के 88 मोबाइल फोन को ढूंढ कर सराहनीय कार्य किया है। डीएसपी सुशील प्रकाश द्वारा पुलिस लाइन कैथल में मोबाइल फोनों के मालिकों को बुलाकर फोन सौंपे।

हेल्पलाइन 1933 पर दें ड्रग्स तस्करी की जानकारी : डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 शुरू किया हुआ है। यह हेल्पलाइन देश को 2047 तक नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मानस हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे चालू रहता है। लोग इस पर ड्रग्स तस्करी की गुप्त जानकारी साझा कर सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के शरीर व बुद्धि का नाश करता है, बल्कि समाज को भी खोखला करता है। सरकार की मानस पहल से नशा बेचने वालों पर नकेल कसी जाएगी और नशे की लत से जूझ रहे लोगों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाएगा।

आत्मविश्वास ही महिला की सबसे बड़ी शक्तिः रीनू

कैथल। श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय कलायत में आज महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक्सटेंशन लेक्चरर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. देवी सिंह, सहायक प्रोफेसर (संस्कृत), गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर-32सी, चंडीगढ़ उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं के लिए आत्मविश्वास निर्माण एवं नेतृत्व कौशल विषय पर विचार रखे। मंच का संचालन डॉक्टर कविता सहायक प्राध्यापक संस्कृत ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य सुनील गर्ग द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम का सफल आयोजन गणित विभाग से रीनू रानी ने किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि आत्मविश्वास ही किसी भी महिला की सबसे बड़ी शक्ति है।

कुष्ठ रोगियों का सहयोग करे आमजन : डॉ. रेनू

कैथल। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'कुष्ठ रोग उन्मूलन दिवस' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता फैलाने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का संदेश दिया गया। सिविल सर्जन कैथल, डॉ. रेनू चावला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि हर साल 30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुष्ठ रोग लाइलाज नहीं है। सही समय पर लक्षणों की पहचान और सरकार द्वारा दिए जा रहे मुफ्त इलाज से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। समाज को पुरानी रूढ़िवादी धारणाओं को त्यागकर कुष्ठ रोगियों का सहयोग करना चाहिए । डॉ. संदीप बातिश ने जानकारी साझा की कि वर्तमान में कैथल जिले में कुल 8 कुष्ठ रोगियों का उपचार चल रहा है। विभाग इन सभी मरीजों की निगरानी और सहायता कर रहा है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में प्रतियोगिता संपन्न: एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी कैथल रही रनर आप

आरकेएसडी कॉलेज ने राज्य स्तरीय बाक्सिंग प्रतियोगिता में कब्जाई ओवरआल ट्रॉफी

47 से 50 किग्रा वेट कैटेगरी में नेकीराम कॉलेज के आकाश ने गोल्ड मेडल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में चल रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप के तीसरे व अंतिम दिन प्रतिभागियों को आशीर्वाद देने व उनकी हौंसला अफजाई करने के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय, चीका के प्राचार्य डॉ. जितेंद्र मोर व राजकमल ढांडा, सीनियर उपाध्यक्ष हरियाणा राज्य खो- खो एसोसिएशन पहुंचे। प्रतियोगिता के पुरुषों की कैटेगरी में आरकेएसडी कॉलेज ने ओवरआल ट्रॉफी प्राप्त की, वहीं एन आई आई एल एम यूनिवर्सिटी कैथल की टीम को रनर अप ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. अभिषेक गोयल ने इस अवसर पर कहा कि तीन दिन की इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अच्छी खेल भावना दिखाते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा का उद्देश्य प्रदेश भर की प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना था, जिसमें विभाग काफी हद तक सफल रहा है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मनोज भांभू और संयोजक डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ाते हैं बल्कि अनुशासन और आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं। उन्होंने मुक्केबाजी के उभरते खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. अभिषेक गोयल ने प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार भाम्बू, सह संयोजक डॉ. विकास यादव, डॉ. मोनिका जाखड और डॉ. कृतिका, आवास व्यवस्था के संयोजक डॉ. हंसराज गुप्ता, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. संजय कुमार, टेंट डॉ. मेहर सिंह मौजूद रहे।

कैथल। बाक्सिंग में दखमम दिखाते व अव्वल रहे खिलाड़ियों को सम्मानित करते अधिकारी।

पुरुष वर्ग में मुकाबले

1. 47 से 50 किलोग्राम वेट कैटेगरी में पंडित नेकीराम शर्मा गवर्नमेंट कॉलेज रोहतक के आकाश ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया, वहीं आरकेएसडी कॉलेज कैथल के सागर जांगड़ा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
2. 50 से 55 किलोग्राम वेट कैटेगरी में जाट कॉलेज हिसार के देवांश ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया वहीं डिफेंस कॉलेज टोहाना के मनप्रीत ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।3. 55 से 60 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आर के एस डी कॉलेज कैथल के रणदीप ने गोल्ड मेडल और और दयानंद कॉलेज हिसार के साहिल ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
4. 60 से 65 किलोग्राम वेट कैटेगरी में नीलम यूनिवर्सिटी के रूबल ने गोल्ड मेडल और गवर्नमेंट कॉलेज नरवाना के नितिन ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
5. 65 से 70 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आरकेएसडी कॉलेज कैथल के अंकुश ने गोल्ड मेडल और गवर्नमेंट कॉलेज हिसार के अभिषेक ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया ।
6. 70 से 75 किलोग्राम वेट कैटेगरी में डिफेंस कॉलेज टोहाना के साहिल सिहाग ने गोल्ड मेडल और नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के दीक्षांत तवर ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया ।
7. 75 से 80 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आईजी कॉलेज टोहाना के नीरज कुमार ने गोल्ड मेडल और नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुश यादव ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
8. 80 से 85 किलोग्राम वेट कैटेगरी में गवर्नमेंट कॉलेज हांसी के अश्वनी ने गोल्ड मेडल और जाट कॉलेज कैथल के आर्य ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
9. 85 से 90 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आर के एस डी कॉलेज कैथल के प्रिंस शर्मा ने गोल्ड मेडल और गवर्नमेंट कॉलेज हिसार के आरव ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया ।
10. 90 किलोग्राम से अधिक वजन कैटेगरी में आरकेएसडी कॉलेज के सुमित कुमार ने गोल्ड मेडल और एस आर एम डिग्री कॉलेज, हिसार ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

महिला वर्ग में परिणाम

1. 45 से 48 किलोग्राम वेट कैटेगरी में महारानी किशोरी जाट कन्या कॉलेज रोहतक की छात्रा काजल ने गोल्ड मेडल और आरकेएसडी कॉलेज कैथल की गीतू ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।2. 48 से 51 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आरकेएसडी कॉलेज की माफी ने गोल्ड मेडल और आईजी कॉलेज टोहाना की ज्योति ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया ।
3. 51 से 54 किलोग्राम वेट कैटेगरी में महारानी किशोरी जाट कन्या कॉलेज रोहतक की निलक्षी ने गोल्ड मेडल और आरकेएसडी कॉलेज कैथल की नीतू ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया ।
4. 54 से 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी में गवर्नमेंट कॉलेज आदमपुर की आस्था ने गोल्ड मेडल और आरकेएसडी कॉलेज की हिमांशी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।5. 57 से 60 किलोग्राम वेट कैटेगरी में दयाल सिंह कॉलेज करनाल की आंचल ने गोल्ड मेडल और आरकेएसडी कॉलेज कैथल की ममतेश ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
6. 60 से 65 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आरकेएसडी कॉलेज की खुशी ने गोल्ड मेडल और डॉ भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल की स्नेहा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
7. 65 से 70 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आईजी कॉलेज टोहाना की पूजा ने गोल्ड मेडल और आरकेएसडी कॉलेज कैथल की हरगुन दीप ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया ।
8. 70 से 75 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आरकेएसडी कॉलेज कैथल की ऋतु ने गोल्ड मेडल और आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी की भूमिका ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।9. 75 से 80 किलोग्राम वेट कैटेगरी में आरकेएसडी कॉलेज कैथल की अंजलि ने गोल्ड मेडल और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय की ललिता ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
10. 80 किलोग्राम से अधिक वेट कैटेगरी में जाट कन्या कॉलेज रोहतक की खुशी ने गोल्ड मेडल और आरकेएसडी कॉलेज की अर्चना ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

संत रविदास ने समानता एवं भाईचारे का दिया संदेश: सुजीत

गुहला-चीका । राजकीय प्राथमिक पाठशाला तारावाली में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महापुरुषों के जीवन और उनके आदर्शों से परिचित कराना रहा। इस अवसर पर शिक्षक गुरदीप उरलाना ने बताया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास होता है और वे महान संतों के विचारों से प्रेरणा लेते हैं। मुख्य शिक्षक सुजीत खरका ने संत रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म काशी (वाराणसी) के पास सीर गोवर्धनपुर में माना जाता है। संत रविदास जी ने समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी गई। इस मौके पर मिड-डे मील वर्कर वीरों देवी, बलबीर कौर, गुरदीप उरलाना, शीशपाल सैर, सुरजीत खरका सहित विद्यालय के छात्र उपस्थित रहे।

नशे के दुष्प्रभावों पर छात्राओं ने आमजन को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय, कलायत में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की ड्रग अवेयरनेस कमेटी व एन एस एस के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया, जिसकी संयोजक रीतू देवी रहीं। रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य सुनील गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं को चाहिए कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगाएं। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने "नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो", "नशा मुक्त भारत—स्वस्थ भारत" जैसे जागरूकता नारों के माध्यम से आम जनता को संदेश दिया। महाविद्यालय के शिक्षकों एवं नेकार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में एंटी ड्रग सेल प्रभारी रीतू देवी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

कैथल । जागरूकता रैली निकालती कालेज की छात्राएं फोटो : हरिभूमि

छात्राओं को दिया थ्रेडिंग का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजकीय महाविद्यालय राजौंद के महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला का आयोजन राममेहर सिंह कार्यवाहक प्राचार्य सह संयोजक महिला प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को सौंदर्य एवं वेलनेस के क्षेत्र में व्यावहारिक रोजगारोन्मुखी एवं आत्मनिर्भरता प्रदान करना था। कार्यशाला के प्रथम दिवस छात्राओं को थ्रेडिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें विशेष रूप से भौंहों एवं माथे की शेपिंग पर ध्यान दिया गया। साथ ही फेशियल की मूल जानकारी स्वच्छता त्वचा सुरक्षा एवं पेशेवर सावधानियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। द्वितीय दिवस पर छात्राओं को साड़ी ड्रेपिंग तथा बॉडी वैक्स की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। तृतीय एवं अंतिम दिवस पर छात्राओं को मेकअप एवं हेयर कटिंग की तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस सत्र में त्वचा की तैयारी बेस मेकअप विभिन्न अवसरों के अनुसार उपयुक्त मेकअप के साथ-साथ हेयर कटिंग के मूल सिद्धांत का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्राचार्य ने बताया कि यह कार्यशाला छात्राओं के कौशल विकास स्वरोजगार एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुई। इस प्रशिक्षण से छात्राओं के आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उन्हें व्यावसायिक सौंदर्य कौशल की समग्र समझ प्राप्त हुई। इस दौरान विक्रम, अशोक, प्रदीप, प्रवीण, निशु, सीमा एवं तरुण सहित स्टाफ सदस्य मौजूद रहा।

फतेहपुर विद्यालय में हुई सलाह संगठन की जिला स्तरीय बैठक

पुंडरी। पूंडरी सलाह (एसएलएचएम) संगठन के जिला अध्यक्ष एवं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहपुर के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला तथा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार विशेष भेंट की। बैठक के दौरान शिक्षा विभाग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा एसीपी (वित्तीय उन्नयन) मामलों, अवकाश से संबंधित प्रकरणों, प्रायोगिक फाइलों में आ रही समस्याओं, अपार व मेडिकल बिलों में आ रही समस्या, परीक्षा परिणामों में सुधार, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच, विद्यालय परिसरों की साफ-सफाई सहित अन्य शैक्षणिक विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। दोनों अधिकारियों ने संगठित संवाद सत्र में शिक्षकों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

खबर संक्षेप

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चीका में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता शिविर का आयोजन

गुहला-चीका । राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चीका में आज डिजिटल दुनिया में साइबर सुरक्षा विषय पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। विद्यालय के कंप्यूटर साइंस प्रवक्ता राजकुमार ने विद्यार्थियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने से पहले सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए। इस अवसर पर सिमरनजीत सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

श्रमिकों के बढ़ते शोषण को ख़त्म करने की बजाय गैर वाजिब टिप्पणियां घोर निंदनीय

कैथल। अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन हरियाणा इकाई के अध्यक्ष जगमाल सिंह व महासचिव प्रेम चंद ने प्रेस के नाम विज्ञप्ति ज़ारी करते हुए कहा कि सी जे आई की टिप्पणियाँ भारतीय राज्य के जन-विरोधी, मजदूर वर्ग-विरोधी रवैये को दर्शाती हैं, जो घोर निंदनिय है ।उन्होंने कहा कि यूनियन,सी जे आई से इस पर पुनर्विचार करने की मांग करती है। अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन कल पेन थोजिलालारगल संगम मामले की सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश (सी जे आई) द्वारा ट्रेड यूनियनों और श्रमिकों के अधिकारों के बारे में की गई टिप्पणियों पर गहरी चिंता व्यक्त करता है। हम सीजेआई से आग्रह करते हैं कि वे इन टिप्पणियों की तुरंत समीक्षा करें, ग्रामीण गरीबों के साथ खड़े हों, और सरकार से निम्नलिखित विफलताओं पर सवाल करें। रोजगार गारंटी अधिनियम को खत्म करनाः मनरेगा 2005 को रद्द करके और इसे वी बी ग्राम जी 2025 में बदलकर, सरकार ग्रामीण गरीबों की आजीविका को नष्ट कर रही है। बजट में कटौती और तकनीकी बाधाओं के माध्यम से, गरीबों को काम से वंचित किया जा रहा है। इन नीतियों पर सवाल उठाने वाली यूनियनों को दोषी ठहराकर, न्यायालय सरकार की विफलताओं को सही ठहराते दिख रहे हैं। अगर अदालतें और सरकार कॉर्पोरेट हितों की सेवा करना जारी रखते हैं, तो हम चेतावनी देते हैं कि हम सड़कों पर तेज़ संघर्षों के ज़रिए अपने अधिकारों की रक्षा करेंगे।

कैथल में विभिन्न विभागों में मीटिंग कर कर्मियों से हड़ताल को सफल बनाने का किया आह्वान

कैथल । सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कमेटी ने 12 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने की अपील करते में विभिन्न विभागों मे इस विशेष अभियान के तहत नगर परिषद,शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सिंचाई, नगर निगम, एचएसवीपी, पीडब्ल्यूडी (बी एंड आर), बीज विकास निगम, हैफेड, सहकारी समितियां आदि विभागों में कर्मचारियों की मीटिंग की और हड़ताल के पोस्टर व हैंड बिलों का वितरण किया गया। इस विशेष अभियान मे सर्व कर्मचारी संघ जिला प्रधान ओमपाल भाल, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सहसचिव व जिला सचिव शिवचरण, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के महासचिव रामपाल शर्मा, अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिनद, क्लास फोर युनियन के राज्य महासचिव कपिल सिरोही नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य सहसचिव विक्कीटाँक व केंद्रिय कमेटी सदस्य जयप्रकाश आदि शामिल थे। कर्मचारी मीटिंगों को संबोधित करते हुए उन्होंन कहा कि 12 फरवरी की हड़ताल करो या मरो की स्थिति में हो रही है। क्योंकि सरकार ने 29 श्रम कानूनों को खत्म कर चार लेबर कोड्स पहली अप्रैल से लागू करने का ऐलान किया है। अगर यह लागू हुए तो यूनियन बनाने, पंजीकरण बरकरार रखना कठिन हो जाएगा। हड़ताल करने का अधिकार खत्म हो जाएगा। लेबर कोड्स मजदूरों की गुलामी का दस्तावेज है।

श्री पार्श्वनाथ स्कूल में मिलन समारोह का किया आयोजन

राजौंद। पूंडरी रोड़ राजौंद स्थित श्री पार्श्वनाथ स्कूल में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें नजदीक स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय संतोख माजरा के विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा छठी सातवीं व आठवीं के छात्र छात्राओं ने विभिन्न शैक्षिणक जैसे पुस्तकालय में पुस्तके पढ़ने व पुस्तकालय नियमों की जानकारी हासिल की। पुस्तकालय इंचार्ज रितु अग्रवाल ने बच्चों को कहा कि पुस्तके इंसान की सच्ची मित्र हैं। हमे मोबाईल से दूरी व पुस्तको से मित्रता करनी चाहिए। इसके अलावा बच्चों ने विज्ञान प्रयोग शाला व स्मार्ट क्लास से भी ज्ञान लिया। शानदार प्रदर्शन पर बच्चों को उपहार व मेडल भी प्रदान किए गए। स्कूल प्रबंधक रमेश राणा ने कहा कि इसके द्वारा दो भिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों के साथ-साथ अध्यापक गण भी एक दूसरे से ज्ञान इकट्ठा कर पाते हैं व सहयोग के गुण को बढ़ावा मिलता है।

प्रतियोगिता नियमित अभ्यास से खिलाड़ी आगे बढ़कर देश का नाम करते हैं रोशन

खेलों से बच्चों में अनुशासन-आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन का विकास : दीपक

खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में निभाते हैं अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से खिलाड़ियों के लिए किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका सीवन के सचिव दीपक कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अकैडमी संचालक संजय सैन ने की। इस अवसर पर दीपक कुमार ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। खेलों से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन भी विकसित होता है। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास और मेहनत से खिलाड़ी आगे बढ़कर क्षेत्र और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। दीपक कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चे मोबाइल, टीवी और वीडियो गेम्स में अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं, जिससे उनकी शारीरिक सक्रियता कम हो रही है। ऐसे में खेल मैदान से जुड़ना बेहद जरूरी है। खेल बच्चों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों के लिए प्रेरित करें, ताकि उनका संतुलित विकास हो सके।

सीवन। किट वितरण कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों के साथ नगर पालिका सचिव दीपक कुमार व अकादमी पदाधिकारी।

खेलकिट वितरित

कार्यक्रम के दौरान अकादमी से जुड़े खिलाड़ियों को खेल किट वितरित की गई। किट पाकर खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला। एकेडमी संचालक संजय सैन ने कहा कि संस्था का उद्देश्य बच्चों को बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध कराना और उन्हें अनुशासित खिलाड़ी बनाना है। इस अवसर पर सुरेंद्र पीटीआई, अशोक, कोच सुदर्शन सिंह, जयपाल सहित खिलाड़ी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

बेदी से मुलाकात कर रिछपाल ने जताया आभार

उचाना। भाजपा द्वारा बनाई गई पूरे प्रदेश में जिलास्तर पर पार्टी ज्वानिंग कमेटी का सदस्य बने पूर्व जिला महामंत्री रिछपाल काब्रच्छा ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी से मुलाकात कर आभार प्रकट किया। दूसरी पार्टी से भाजपा में कोई भी शामिल होता है तो जिलास्तर पर जो कमेटी बनाई गई उसके माध्यम से ही उसकी ज्वाइनिंग होगी। रिछपाल काब्रच्छा पर भाजपा ने विश्वास जताते हुए जिले में बड़ी जिम्मेदारी देने का काम करते हुए सदस्य बनाया।

कांग्रेस अपने गिरेबान में झांके : नरेंद्र कोशिक

जींद। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजन लाल और पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई पर भ्रष्टाचार को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी को लेकर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेताओं पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेसी अपने गिरेबान में झांके। भाजपा नेता नरेंद्र कौशिक, विशाल छोटा ने कहा कि कांग्रेस के उप प्रधान की भाषा और सोच को दुर्भाग्यपूर्ण है।

विद्यार्थियों को करवाया सूर्य नमस्कार

जींद। सूर्य नमस्कार अभियान के तहत आयुष विभाग ने शामदों गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को सूर्य नमस्कार करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योग सहायिका नीलम ने की। इस दौरान योग सहायिका नीलम ने बच्चों को योग के बारे में बताते हुए कहा कि योग तनाव में कमी, पाचन तंत्र मजबूत, रक्त संचार में वृद्धि, वजन नियंत्रण को सुचारू रूप से अमल में लाता है।

युवा बेरोजगारी की आग में झुलस रहे : रणदीप

कैथल। हरियाणा के युवा आज दोहरी मार झेल रहे हैं – एक तरफ घर में बेरोजगारी का बोझ, दूसरी तरफ विदेशी सपनों का चूर-चूर होना। हाल के दिनों में दो दिल दहला देने वाले घटनाक्रमों ने प्रदेश की आर्थिक बदहाली और भाजपा सरकार की विफल नीतियों को बेनकाब कर दिया है। सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आज किसान भवन पर जनता की समस्याएं सुनते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी जिले के डूंगरवास गांव निवासी 28 वर्षीय प्रेम कुमार ने हाल ही में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घिमाना गांव में हुआ एडीसी व अन्य अधिकारियों का रात्रि ठहराव

जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता : एडीसी

- अधिकारियों ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

हरियाणा सरकार के अंत्योदय उत्थान के लक्ष्य को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से जिला प्रशासन जींद द्वारा निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से उपमंडल क्षेत्र के गांव घिमाना में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप कुमार ने शुक्रवार रात विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ गांव में रात्रि प्रवास किया और ग्रामवासियों के साथ गंभीरता से संवाद स्थापित करते हुए उनकी शिकायतें सुनी। इस दौरान लगभग 60 समस्याएं उनके समक्ष रखी गई। जिनमें प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता से सुना गया और संबंधित विभागों को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप कुमार ने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम हरियाणा सरकार के सुशासन संकल्प की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम अंत्योदय उत्थान की भावना को साकार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। जिसका उद्देश्य प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी को कम कर शासन को ग्रामीण जीवन के और अधिक निकट लाना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में समाधान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सरकार द्वारा सीएम विंडो, जन संवाद जैसे प्रभावी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त समाधान शिविरों के माध्यम से भी जनसमस्याओं का त्वरित निवारण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान में अधिकांश योजनाएं परिवार पहचान पत्र से जुड़ी हुई हैं तथा सभी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैंए जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और लाभ सीधे पात्र लाभार्थी तक पहुंचता है। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा रखी गई शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। कुछ समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। जबकि शेष शिकायतों के लिए संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जींद। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में शिकायतों का समाधान करते हुए एडीसी।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस दौरान एसडीएम सत्यवान मान, सीटीएम मोनिका रानी, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, डीएसपी संजय कुमार, बीडीपीओ सुरेंद्र खत्री, सरपंच कविता सहित संबंधित अधिकारी, गांव के गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश

अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान जिला प्रशासन के समक्ष विभिन्न गांवों से आमजन द्वारा जनहित से जुड़ी कई शिकायतें प्रस्तुत की गईं। इन शिकायतों में मूलभूत सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, राजस्व मामलों तथा नागरिक सेवाओं से संबंधित समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। जलालपुर कलां गांव के समस्त ग्रामवासियों द्वारा गांव में अधूरी नाली की समस्या को लेकर शिकायत रखी गई। जिस पर अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। घिमाणा गांव के सुरेंद्र द्वारा बिजली का पोल हटवाने के लिए आवेदन दिया गया। इस पर अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा कहा कि पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि पोल हटाने योग्य है या नही। उन्होंने बिजली विभाग से संबंधित शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को सरपंच के साथ गांव में बिजली से संबंधित समस्याओं का निपटारा सुनिश्चित करें। विजेंद्र द्वारा मकान मरम्मत से जुड़ी समस्या रखी गई।

जींद। समस्याएं सुनते हुए एसडीएम होशियार सिंह। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने रात्रि ठहराव कार्यक्रम में किया ग्रामीणों से सीधा संवाद

- एसडीएम ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी, मौके पर दिए समाधान करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार ग्रामीण लोगों की समस्याओं का उनके घर द्वार पहुंचकर समाधान करने की कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार की रात को जिला के गांव बुराडेहर के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया किया गया। इस दौरान जुलाना के एसडीएम होशियार सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याएं सुनी और उनका मौके पर समाधान किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए एसडीएम होशियार सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार जनसेवा को समर्पित होकर कार्य कर रही है। समाधान शिविर के साथ ही लोगों के घर द्वार उनकी जन सुनवाई करने के उद्देश्य से रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत प्रशासन गांव में पहुंच रहा है। उन्होंन कहा कि जिला प्रशासन हर समय नागरिकों की समस्याएं सुनने और उनका प्राथमिकता के साथ समाधान करने के लिए तत्पर है। किसी भी नागरिक की किसी भी विभाग से संबंधित यदि कोई समस्या है तो वह बिना किसी हिचक के प्रशासन के समक्ष रखें। उनका प्राथमिकता के साथ समयबद्ध ढंग से समाधान किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे गांव के विकास में अपना योगदान दें। गांव के विकास में प्रत्येक नागरिक की भूमिका होनी चाहिए। इसके अलावा सभी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

नशे पर रोक जरूरी

उन्होंने कहा कि जिला में डीसी मोहम्मद इमरान रजा के मार्ग दर्शन में प्रत्येक सोमवार व वीरवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता हैए इन शिविरों में कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या रख सकता हैए जिस पर तुरंत सुनवाई होती है। उप पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार ने नशे के खिलाफ विशेष जोर देते हुए कहा कि नशे को हमारे समाज से खत्म करने के लिए सभी नागरिक अपना सहयोग दें वरना यही नशा हमारे समाज को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा कि ड्रग्स बेचे जाने की जानकारी मिलती है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि उस पर कार्रवाई की जा सके।

पानी लीकेज से मकान में आई दरारें

- महिला ने अधिकारियों से लिकेज ठीक करने की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अलेवा

नगूरां निवासी एक महिला ने जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों पर पीने के पानी के लिए बिछाई पाइप लाइन में लिकेज के चलते उसके मकान में दरारें आने के आरोप लगाए हैं। नगूरां निवासी महिला धनपती ने बताया कि जलापूर्ति विभाग ने उसके मकान के साथ लगती गली में पीने के पानी के लिए पाइप लाइन बिछाई हुई है लेकिन कई दिनों से पाइप लाईन लिकेज होने के कारण उसके मकान में दरारें आ गई है। मोटी- मोटी दरारें छत से लेकर फ र्श तक पहुंच गई है। जिससे मकान गिरने का खतरा हो रहा है। महिला का कहना है कि मामले को लेकर अनेक बार संबंधित विभाग के कर्मचारियों को सूचित कर चुके हैं लेकिन कर्मचारी उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। जउन्होंने कहा कि जल्द से जल्द इस लीकेज की समस्या को ठीक किया जाए ताकि उनका मकान सुरक्षित रह सके।

अलेवा। नगूरां गांव में मकान में आई दरारें दिखाती महिला धनपती।

फिलहाल मामला संज्ञान में नहीं : जेई

जलापूर्ति विभाग के जेई सन्नी रोहिला ने बताया कि फिलहाल मामला उनके संज्ञान में नहीं है। अगर ऐसी बात है तो कर्मचारियों से बात कर समस्या का समाधान किया जाएगा। मामले को लेकर संबंधित व्यक्ति को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

भजन लाल पर कांग्रेस नेता का बयान निंदनीय

उचाना। जिला कांग्रेस कमेटी के उपप्रधान राममेहर मलिक द्वारा पूर्व सीएम स्व. भजन लाल, पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई पर भ्रष्टाचार को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी को लेकर भाजपा नेताओं ने जोरदार पलटवार किया है। भाजपा उचाना मंडल महामंत्री रमेश राणा ने कांग्रेस के कथित पदाधिकारी की भाषा व सोच को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कड़े शब्दों में निंदा की है। राणा ने कहा कि स्व. भजन लाल केवल हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में अपनी दूरदर्शी सोच, विकास कार्यों और जनसेवा के लिए जाने जाते हैं। उनके कार्यों को आज भी हरियाणा की जनता याद करती है और उनसे प्रेरणा लेती है। कांग्रेस यदि ऐसे बयानबाजी से बाज नहीं आई तो जनता उन्हें पिछले चुनावों में भी करारा जवाब दे चुकी है और आगे भी कांग्रेस की दाल नहीं गलेगी।

ताइक्वांडो स्पर्धा में एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय ने किया सराहनीय प्रदर्शन

चैंपियनशिप में भारती ने जीता कांस्य पदक

- छात्रों की सफलता पर विश्वविद्यालय में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय कैथल के लिए अत्यंत गौरव का विषय बनते हुए विश्वविद्यालय की तीन छात्राओं ने राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। बी.एससी. स्पोर्ट्स पांचवें सेमेस्टर की छात्रा भारती ने कांस्य पदक, बी.एससी. स्पोर्ट्स द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अंजलि ने रजत पदक तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर (योग) की छात्रा आरती ने कांस्य पदक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। विश्वविद्यालय परिसर में तीनों खिलाड़ियों के आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

कैथल। अव्वल रही छात्राओं को सम्मानित करते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि ये प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय जन संपर्क अधिकारी डॉ मनोज कुमार,शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ. बलकार सिंह, डॉ. मोनू, संगीता, विष्णु दत्त, पिंकी सांगवान , शशिकांत उपस्थित रहे और सभी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किए।

रामलीला मैदान में होगा हिंदू सम्मेलन

- 8 फरवरी को होने वाले हिंदू सम्मेलन की तैयारियां हुई तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीवन

सीवन के रामलीला मैदान में 8 फरवरी को प्रस्तावित विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी सिलसिले में मुकेश मुंजाल के कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सम्मेलन के उद्देश्य, स्वरूप और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता सामाजिक चिंतक वकील सैनी, उद्योगपति अशोक गोयल और वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रामनिवास शर्मा ने की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विराट हिंदू सम्मेलन का उद्देश्य किसी वर्ग या विचारधारा को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि हिंदू तत्व के वास्तविक और व्यापक अर्थ को समाज के सामने लाना है। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई संकीर्ण पहचान नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवन पद्धति है है। वक्ताओं ने कहा कि हिंदू धर्म केवल पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक सोच है।

सीवन। विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक करते आयोजक।

भूगोल विभाग में जींद से इच्छा व रितिका अव्वल

- राजकीय महिला महाविद्यालय में अंतर जिला विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

राजकीय महिला महाविद्यालय में अंतर जिला विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन प्राचार्य जय नारायण गहलावत की अध्यक्षता में किया गया। मुख्यातिथि एसडीएम सत्यवान मान ने शिरकत की। अंतर विज्ञान प्रदर्शनी की संयोजिका आशी मित्तल और सहसंयोजिका डा. मंजू शर्मा रही। मीडिया प्रभारी डा. सुमिता आशरी ने बताया कि भूगोल विभाग में राजकीय महिला महाविद्यालय जींद से इच्छा व रितिका प्रथम व राजकीय महाविद्यालय जींद से सूरज व विधि ने दूसरा स्थान हासिल किया। मनोविज्ञान में राजकीय महिला महाविद्यालय चीका की छात्रा सुनीता व दिव्यप्रीत ने प्रथम स्थान हासिल किया। सर्वश्रेष्ठ व्याख्याता राजकीय महाविद्यालय जींद से सूरज रहे। भौतिक विज्ञान में केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना से हर्ष व भूपेश ने प्रथम, राजकीय महाविद्यालय जींद से तमन्ना व बबीता व राजकीय महिला महाविद्यालय जींद से अनुष्का व महक ने दूसरा स्थान हासिल किया। सर्वश्रेष्ठ व्याख्याता राजकीय महाविद्यालय जींद से हर्षिता रही।

जींद। मॉडल का अवलोकन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय जींद के प्राचार्य डा. सत्यवान मलिक, राजकीय महाविद्यालय जुलाना के प्राचार्य शमशेर सिंह, राजकीय महिला महाविद्यालय से नरेंद्र कुमार, डा. जितेंद्र शर्मा, डा. संदीप शर्मा और डा. अल्पना शर्मा भी मौजूद रहे।

मानसिक असंतोष अनेक समस्याओं का कारण : सिंह

जींद। छोटू राम किसान महाविद्यालय में नेशनल टास्क फोर्स (मेंटल अवेयरनेस क्लब) व समाजशास्त्र विभाग व कॉलेज मतदाता साक्षरता क्लब के तत्वावधान में मेंटल हैल्थ विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. जगबीर सिंह ने विद्यार्थियों को कहा कि हमें आज के इस परिवर्तनशील समाज में हमें अपने आप को मानसिक तौर पर मजबूत बनाना होगा व किसी भी प्रकार के मानसिक असंतोष से बचना होगा। प्राचार्य डा. जगबीर सिंह ने कहा कि यदि किसी भी विद्यार्थी को मानसिक समस्या का सामना करना पड़े तो उसके कॉलेज में एक नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

डीसी अपराजिता ने की बतौर मुख्यातिथि शिरकत, यात्रा में हुई शामिल

तिरंगा यात्रा में स्वास्थ्य के प्रति सजगता व देशभक्ति के जनून का दिखा अनूठा संगम

एक स्वस्थ नागरिक ही निभा सकता है सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भूमिका: डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

शहर में उजाला सिग्नस अस्पताल कैथल द्वारा वॉकथॉन व तिरंगा यात्रा एक कदम सेहत की ओर का भव्य आयोजन किया गया। इसमें स्वास्थ्य के प्रति सजगता और देशभक्ति के जुनून का एक अनूठा संगम देखने को मिला। डीसी अपराजिता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वहीं कार्यक्रम में नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुई। इसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, डॉक्टर, युवा और भारी संख्या में विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना रहा। डीसी अपराजिता ने इस कार्यक्रम में सिग्नस अस्पताल में पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। डीसी बच्चों के साथ पैदल चलकर इस यात्रा में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य नागरिकों को नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक करना है। इस यात्रा के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि देश सर्वोपरि है, और इसके लिए हम सब एकजुट हैं।

कैथल। डीसी अपराजिता तिरंगा रैली में शामिल होते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गौरव जैन, हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. भवानी शंकर, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. आर्यन कक्कड़, न्यूरो सर्जन डॉ. एस.के. दास, नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रितु, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अनु यादव, आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. शिवम परमार, जनरल सर्जन डॉ. विवेक प्रताप, फ्रंट ऑफिस प्रमुख विकास संढुरिया और विपणन प्रबंधक मोहित शर्मा मौजूद रहे।

गुरु रविदास रैली के लिए रवाना हुआ जत्था

राजौंद। कुरुक्षेत्र में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की राज्य स्तरीय रैली में राजौंद से समाज के लोगों का जत्था रवाना हुआ। इस बारे प्रधान राजकुमार चौहान ने कहा संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर कुरुक्षेत्र में जनसैलाब उमड़ेगा। जिसमें भारी संख्या में समाज के लोग भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय रैली में मुख्य अतिथि के रूप से नायब सिंह सैनी व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर होंगे। उन्होंने कहा कि इसकी अध्यक्षता कृष्ण कुमार की पंचायत मंत्री हरियाणा सरकार करेंगे। इस दौरान उनके साथ प्रेम चोपड़ा, पार्षद प्रतिनिधि अंकित, अजय ग्रोवर, धूप सिंह, रामेश्वर सरपंच बलवीर मन्नू पल्ली ओम धर्मपाल व भारी संख्या में ग्रामीण रवाना हुए।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में पायल ने जीता गोल्ड मेडल

राजौंद। अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में गांव कैलरम की लड़की पायल पुत्री चंद्रमणि शर्मा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। यह बाल विकास ग्लोबल स्कूल तितरम की दसवीं कक्षा की छात्रा है। इस छात्रा को तीन मूर्ति भवन प्रधानमंत्री संग्रहालय नई दिल्ली में गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य पूजा ठाकुर व शिक्षक मुकेश देवी तथा समस्त स्टाफ ने छात्रा को बधाई दी। ग्राम सरपंच प्रतिनिधि नरेश कुमार ने होनहार छात्रा पायल व उसके परिवार को बधाई दी। पायल के पिता चंद्रमणि शर्मा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैलरम में पीजीटी संस्कृत के पद पर कार्यरत हैं। इसी संदर्भ में विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार व समस्त स्टाफ ने इस उपलब्धि के लिए छात्रा व चंद्रमणि शर्मा को बधाई दी।

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

कवर स्टोरी

एस. भाग्यम शर्मा

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है। अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता।

वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25 % बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

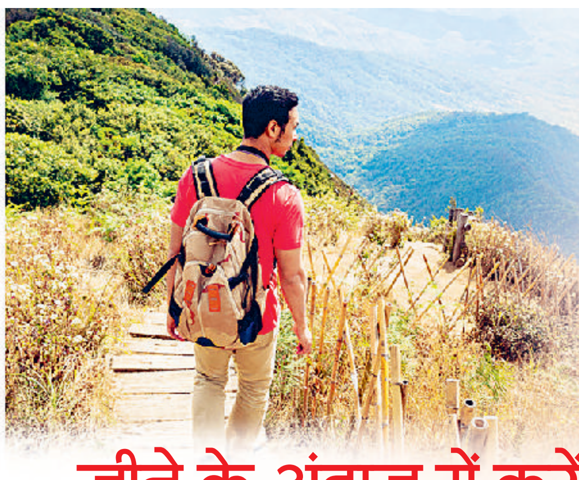

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

लाइफस्टाइल

शिखर चंद जैन

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्स्ट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करे, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

व्यंग्य

अंशुमान खरे

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

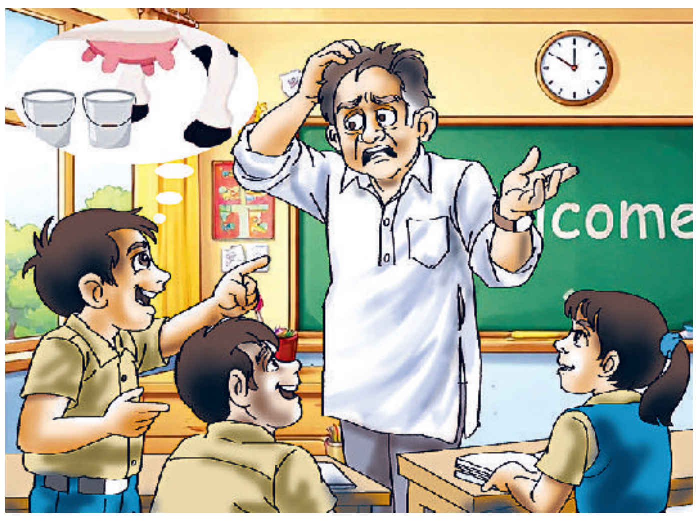

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

लघुकथा / निशा भास्कर

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ो की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मंयक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद्द न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अलग मिजाज की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत), तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तक: तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखक:** हबीब कैफी, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली

जरा सोचिए, प्रकृति और जीवन में रंग और सुगंध न हों तो यह दुनिया कितनी नीरस हो जाएगी। ये फूल ही तो हैं, जो हमारी दुनिया को रंगीन बनाते हैं, खुशबू से महकाते हैं। वासंती मौसम में तो बाग-बगीचों में फूलों की बहार ही आ जाती है। ऐसे में आइए, बात करें फूलों की...

वासंती मौसम में बात फूलों की

प्रकृति

शिखर चंद जैन

हर ऋतु में प्रकृति हमारे लिए कई बेशकीमती सौगातें लेकर आती है। प्रकृति की इन सौगातों में कुछ बेहद खूबसूरत फूल भी शामिल हैं। फूलों की यह मनमोहक दुनिया, हमें एहसास कराती है कि जीवन में रंग और खुशबू का कितना महत्व है। हर फूल अपनी जगह खास है, चाहे वह सड़क किनारे खिला छोटा-सा अनाम फूल हो या किसी बगीचे में खिला राजसी गुलाब। अगली बार जब आप किसी फूल को देखें, तो रुककर उसकी मोहक बनावट, उसकी सुगंध के बारे में जरूर सोचें। इन्हें जितना गौर से, प्यार से देखेंगे आपको इनसे उतना ही ज्यादा लगाव हो जाएगा।

संभालें नाजुक फूलों को: फूल हमारी धरती को खूबसूरती तो प्रदान करते ही हैं। इसके अलावा कई कीट-पतंगों को अपना रस, कई औषधीय लाभ और हमें खुशी का अहसास भी कराते हैं। ये मधुमक्खियों और तितलियों को आकर्षित करते हैं, जिससे परागण होता है। इससे पौधे बीज बना पाते हैं और नए पौधे उगते हैं। इस तरह फूल हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए हमारा भी फर्ज है कि हम उनकी रक्षा करें। ज्यादा कुछ नहीं तो इतना तो कर ही सकते हैं कि हम बिना कारण फूलों को न तोड़ें। जब हम फूल तोड़ते हैं, तो वह पर्याप्त मात्रा में बीज नहीं बना पाते और नए पौधे नहीं उग पाते हैं। फूलों की हिफाजत की शुरुआत अपने घर से करें। घर के गमलों में लगे फूलों वाले पौधों को नियमित तौर पर पानी दें और उन्हें कुछ समय के लिए सूरज की रोशनी में भी रखें। तितलियों, मधुमक्खियों और भौंरों को फूलों पर बैठकर उनका रस चूसने दें। उन्हें भगाने का प्रयास न करें। न भूलें कि इससे उन कीटों को भोजन तो मिलता ही है, उस फूल वाले पौधे का परागण भी होता है। प्रकृति का सम्मान करें और अधिक से अधिक फूलों के पौधे लगाएं ताकि हमारे आस-पास हमेशा फूल महकते रहें।

बात भी करते हैं फूल: फूलों की मूल भाषा सुगंध होती है। ये हम मनुष्यों से अपनी मादक महक के माध्यम से बतियाते हैं। खुशबू से वे अपनी उपस्थिति का एहसास कराते हैं। हमें अपनी ओर आकर्षित करते हैं। सभी फूल अपनी अलग-अलग खुशबू फैलाते हैं। कुछ मधुमक्खियों और तितलियों को बुलाने के लिए और कुछ कीड़े-मकोड़ों को दूर भगाने के लिए। वैसे फूलों के पौधों समेत सभी पौधे, अपनी जड़ों और फंगस के नेटवर्क के जरिए भी एक-दूसरे से जुड़े होते हैं और पोषक तत्वों या पानी की कमी जैसी जानकारी साझा करते हैं। साथ ही हवा में रसायन छोड़कर भी वे संवाद करते हैं। जब किसी पौधे पर हानिकारक कीट हमला करते हैं तो वह हवा में कुछ रसायन छोड़ते हैं, जिसे आस-पास के दूसरे पौधे महसूस कर लेते हैं और अपनी सुरक्षा के लिए तैयार हो जाते हैं। प्रसिद्ध भारतीय वनस्पति विज्ञानी सर जगदीश चंद्र बोस ने बताया था कि पौधे इलेक्ट्रिक सिग्नल्स के जरिए भी संवाद करते हैं।

हमें इसलिए भाते हैं फूल: फूल हमें इसलिए अच्छे लगते हैं, क्योंकि उनके सुंदर रंग, मनमोहक सुगंध और आकर्षक बनावट हमारे दिमाग में खुशी के हार्मोन (डोपामाइन और सेरोटोनिन) पैदा करते हैं, जिससे हमें शांति और ताजगी महसूस होती है। फूल प्रकृति की सुंदरता, जीवन की सरसता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। इतना ही नहीं, ये दवा के रूप में भी महत्वपूर्ण होते हैं। पौराणिक काल में किसी स्थान पर फूलों की मौजूदगी इंसानों को यह संकेत देती थी कि आस-पास पानी, पोषक तत्व और भोजन (फल) उपलब्ध हैं। यही वजह है कि मानव सभ्यता के विकास से ही फूलों से हमारा गहरा जुड़ाव रहा है। फूलों के चटक, खूबसूरत रंग, इनकी मुलायमियत और सिमेट्रिकल बनावट आंखों को बहुत आकर्षित करती हैं।

कम नहीं सांस्कृतिक-प्राकृतिक महत्व: फूलों का सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक महत्व भी है। ये खुशी, प्रेम, सम्मान और उत्सव के प्रतीक माने जाते हैं, इसलिए जन्मदिन, शादियों और अन्य शुभ अवसरों पर फूलों को बुके, माला, गुच्छ के रूप में भेंट किया जाता है। वास्तु और ज्योतिष के अनुसार, फूल घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं और नकारात्मकता को दूर करते हैं, जिससे खुशहाली आती है। *

आर्थिक लाभ भी कराते हैं फूल

फूलों को पसंद किए जाने की एक वजह यह भी है कि ये लाखों लोगों को आर्थिक लाभ भी कराते हैं। कोई फूल उगा कर, कोई इन्हें बेच कर, कोई सजा कर, कोई निर्यात करके और कोई इनसे सजावटी सामान, मालाएं और बुके आदि बनाकर धनार्जन करता है। भारत में फूलों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, जिसका बाजार 2022 में लगभग 23,000 करोड़ रुपए का था और 2028 तक 46,700 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। बेंगलुरु, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल प्रमुख पुष्प उत्पादक राज्य हैं। गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा और ऑर्किड जैसे फूलों की मांग दुनिया भर में सबसे अधिक है। भारत के फूल संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, नाइजीरिया सहित कई देशों में भी भेजे जाते हैं।

सफलता के लिए जानना है जरूरी

आप क्या नहीं करना चाहते

करियर फील्ड कोई भी हो, उसमें सफल होने के लिए आपका फोकस्ड होना सबसे जरूरी है। फोकस्ड होने के लिए यह जानना जितना जरूरी है कि आपको क्या-क्या करना है, उतना ही जरूरी यह भी होता है कि क्या-क्या नहीं करना चाहते हैं?

सेल्फ मोटिवेशन

कीर्तिशेखर

कई बार जीवन में 'हां' से ज्यादा जरूरी और ताकतवर होता है, 'नहीं'। विशेषकर करियर में सफल होने के लिए अगर शुरू से ही हमें यह पता हो कि हम क्या नहीं बनना चाहते, तो बहुत फायदा होता है।

क्या कहती हैं स्टडीज: करियर में सक्सेस के संबंध में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के मुताबिक 60 फीसदी से ज्यादा लोग ऐसे कामों में लगे होते हैं, जिन्हें वो करना पसंद नहीं करते, मगर जोखिम न उठाने के चलते वो ऐसे काम जीवनभर करते रहते हैं। इसके साथ ही एक दूसरा जबर्दस्त शोध इस विषय पर हुआ है कि दुनिया में जितने सफल लोग हैं, उसमें 90 फीसदी से ज्यादा ऐसे हैं, जो उस काम को कर रहे हैं, जिसे वह करना चाहते थे। जी हां, जब हम कोई ऐसा काम करते हैं, जो हमारा मनपसंद होता है, उसमें सफल होने के चांस 10-20 फीसदी नहीं पूरे 100 फीसदी ज्यादा होते हैं। इसलिए सफलता की असली नींव क्या करना है, से नहीं बल्कि क्या नहीं करना है, से पड़ती है। जिस दिन हम यह समझ लेते हैं कि हम जीवन में क्या नहीं करना चाहते, उसी समय हमारे करने वाले कामों की लिस्ट बिल्कुल साफ और सफलता की उम्मीद बिल्कुल स्पष्ट हो जाती है।

'नहीं' क्यों जरूरी है: हम अकसर यह मानकर चलते हैं कि हां कहना सकारात्मक होता है और नहीं कहना नकारात्मक। लेकिन बात अगर स्पष्ट रूप से जिंदगी में करियर की दिशा चुनने की हो तो न कहना ज्यादा सकारात्मक होता है बजाय हर काम के लिए हां कर देने के। 'हां' कहना जितना आसान होता है, उसका नुकसान उतना ही बड़ा होता है। इसलिए जो काम न करना चाहते हों, उसे करने के आसान विकल्प मिलें तो बेहतर है 'नहीं' करना सीखें।

सफलता का पहला स्टेप: सफल लोग पहले यह तय करते हैं कि उन्हें क्या नहीं करना। इसलिए वे कुछ बातों को अमल में लाते ही हैं।

- हर काम और हर मौके पर कूद नहीं पड़ते।
- हर चमकदार विकल्प में नहीं फंसते।
- वे हर सलाह को आदेश नहीं मानते।
- सुनते सबकी हैं, लेकिन करते हैं, जो उनके मन में चल रहा होता है। यानी जो उन्हें सही लगता है।
- ऐसे लोग हर अपेक्षा को अपने सिर पर नहीं ढोते हैं।

दरअसल, सफलता का दर्शन दुनिया में कई नामों से जाना जाता है जैसे- फोकस, प्राथमिकता, सीमाएं और आत्मनियंत्रण। लेकिन सबका मूल एक ही है। आखिर मैं क्या करना चाहता हूं और क्या नहीं करना चाहता हूं?

इसलिए नहीं कहने से डरते हैं लोग: नहीं कहने से ज्यादातर लोग इसलिए डरते हैं, क्योंकि न कहना गैरसामाजिक माना जाता है। न कहने में एक किस्म की बगावत, विरोध होता है। इसलिए लोग न कहने से बचते हैं। लेकिन बचना वास्तव में 'बचना' नहीं होता। अगर न कहने से आप बचते हैं तो आखिरकार उसी न में फंस भी जाते हैं। इसलिए जब करियर के बारे में गंभीरता से सोचें तो अपनी सबसे पहली और जरूरी लिस्ट यह बनाएं कि आप क्या-क्या नहीं करना चाहते हैं? अगर समय रहते आपमें यह स्पष्टता नहीं आई तो एक दिन आपको मजबूर होकर 'नहीं' खुद सिखा देगी। मसलन, मानसिक तनाव के जरिए, असफलता के चलते या पछतावे के रूप में। क्योंकि जो काम आप नहीं करना चाहते और फिर भी करते हैं, तो कीमत तो चुकानी ही पड़ती है। इसलिए बाद में कोई कीमत चुकाने से बेहतर पहले ही चुका लें, क्योंकि शुरुआत में यह सबसे छोटी होती है।

सफलता दिलाएंगे इन्हें 'नहीं' कहना: जिस दिन आप यह तय कर लेते हैं कि मैं अपनी तुलना 'नहीं' करूंगा, उसी दिन आप अपनी प्रतिभा से असफल होने से बच जाते हैं। तुलना सफलता से दूर करती है। सोशल मीडिया के दौर में तो तुलना एक धीमा जहर बन चुकी है।

खुद को हर जगह साबित 'नहीं' करने का निर्णय भी कारगर है। दरअसल, हर जगह अपनी काबिलियत दिखाने की कोई जरूरत नहीं होती, क्योंकि सभी जगहें आपकी सफलता नहीं तय करती हैं। इसलिए अपनी काबिलियत वहीं दिखाइए, जहां वाकई उसकी जरूरत है। लोग क्या कहेंगे, इस डर से अनचाहा फैसला 'नहीं' करना भी जरूरी है। जिस दिन आप फैसले लेने में 'लोग क्या कहेंगे' को माइनस कर लेते हैं तो आपके सारे फैसले सही होने लगते हैं। आजकल एक धारणा बन चुकी है, जो व्यस्त है, वही सफल है। जिस दिन आप इस भेड़चाल को मानने से इनकार कर देंगे, उस दिन से सफलता आपके कदम चूमेगी। रिश्ता भी वही स्वस्थ होता है, जिसमें सम्मान हो और जिसे याद करते हुए भी खुशी हो। जिस रिश्ते को याद करके खुशी न हो, उसे तोड़ना ही बेहतर होता है। *

निवेश, बचत और फाइनेंस से संबंधित अन्य कई पहलुओं को लेकर अकसर लोग असमंजस या भ्रम की स्थिति में रहते हैं। एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य के लिए जरूरी है कि आप वित्त से संबंधित इन मिथ और फैक्ट को अच्छी तरह जानें-समझें।

समृद्ध जीवन के लिए समझें

फाइनेंस से जुड़े मिथ-फैक्ट

सजेशन

अंजू जैन

हमारे मन में पैसों को लेकर पारंपरिक तौर पर कई ऐसी धारणाएं बैठा दी गई हैं, जो भ्रम होती हैं। घर की फाइनेंसियल कंडीशन अच्छी रखने के लिए ऐसे भ्रमों और उनसे जुड़े सच के बारे में जानना जरूरी है। इससे आप सुखी और समृद्ध रहेंगे।

मिथ: अगर आपकी इनकम ज्यादा है तो आप अमीर हो ही जाएंगे।

फैक्ट: अमीर होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि आप कितना बचाते हैं और कितनी समझदारी से निवेश करते हैं। मार्गन हाउसेल अपनी किताब 'द साइकोलॉजी ऑफ मनी' में लिखते हैं कि असली धन वह है, जो लोगों को सामने दिखाई नहीं देता बल्कि जिसे आपने अच्छी जगह निवेश कर रखा है। जैसे जमीन-जायदाद, शेयर, सोना, चांदी, एफडी, म्यूचुअल फंड आदि।

मिथ: घर खरीदना हमेशा ही एक बेहतरीन संपत्ति मानी जाती है।

फैक्ट: नहीं, अगर घर का मेंटेनेंस बहुत ज्यादा है, आपके कार्यस्थल से दूर है, डेली शॉपिंग की सुविधा नजदीक नहीं है या इसकी रीसेल वैल्यू बढ़ने वाली नहीं है तो आपके लिए यह नुकसानदायक ही होगा। रॉबर्ट कियासाकी अपनी पुस्तक 'रिच डैड-पुअर डैड' में बताते हैं कि अगर आपका घर आपकी जेब से विभिन्न मदों में पैसा निकाल रहा है तो वह एक लायबिलिटी है, एसेट नहीं। एसेट वह है, जो आपकी जेब में पैसा डाले।

मिथ: निवेश करने के लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत होती है।

फैक्ट: निवेश के लिए इसकी आदत और खर्च पर नियंत्रण जरूरी होता है। पुस्तक 'द रिचेस्ट मैन इन बेबीलोन' के अनुसार, अपनी कमाई का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा खुद के लिए बचाकर निवेश की शुरुआत करना ही सबसे बड़ी रणनीति है। 'कंपाउंडिंग' की शक्ति कम पैसों से भी बड़ा फंड बना सकती है।

मिथ: कर्ज हमेशा नुकसानदायक ही होता है।

फैक्ट: विशेषज्ञ 'अच्छे कर्ज' और 'बुरे कर्ज' में फर्क बताते हैं। अगर कर्ज का उपयोग ऐसी चीज खरीदने के लिए किया जाए, जिसकी वैल्यू बढ़े या जो आय पैदा करे (जैसे बिजनेस लोन), तो वह अच्छा कर्ज है। लेकिन लग्जरी, झूठे दिखावे और फिजूल चीजों के लिए कर्ज लेना गलत है।

मिथ: ज्यादा जोखिम मतलब ज्यादा मुनाफा।

फैक्ट: बिल्कुल नहीं। सफल निवेशक हमेशा जोखिम कम करने पर ध्यान देते हैं। बेंजामिन ग्राहम की पुस्तक 'द इंटेलिजेंट इंवेस्टर' सिखाती है कि अपनी पूंजी की सुरक्षा का ख्याल रखना और सोच-समझकर निवेश का विविधीकरण करना ही असली समझदारी है।

मिथ: रिटायरमेंट का मतलब 'काम बंद और पूरा आराम करना' है।

फैक्ट: हमेशा याद रखें कि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। बिना किसी काम के शरीर और दिमाग को जंग लग जाती है। इससे दिमाग परेशानियों और बीमारियों में उलझ जाता है। बेहतर होगा कि रिटायर होने के बाद पसंदीदा काम करें और उससे चार पैसा कमाने की सोचें। टिम फेरिस की पुस्तक 'द 4-आवर वर्कवीक' के अनुसार, वित्तीय स्वतंत्रता का मतलब काम छोड़ना नहीं, बल्कि पसंद का काम करने की आजादी होना है।

मिथ: बजट बनाना खुद पर पाबंदी लगाना है।

फैक्ट: बजट आपको यह नहीं बताता कि आप क्या नहीं कर सकते, बल्कि यह तय करता है कि आपका पैसा कहां जाना चाहिए? यह आपको फिजूलखर्ची से बचाकर आर्थिक आजादी की ओर ले जाता है।

मिथ: अमीर लोग अकसर कंजूस होते हैं।

फैक्ट: अमीर लोग समझदार होते हैं, सोच-समझकर खर्च करते हैं और अपनी इसी आदत के कारण वे अमीर बनते हैं। थॉमस जे. स्टेनली की पुस्तक 'द मिलिनेयर नेक्स्ट डोर' के अनुसार, ज्यादातर करोड़पति साधारण जीवन जीते हैं। वे 'दिखावे' पर नहीं बल्कि 'वित्तीय स्वतंत्रता' पर खर्च करते हैं।

मिथ: पैसा ही सारी बुराइयों की जड़ है।

फैक्ट: यह एक बहुत पुराना भ्रम है। असल में पैसा नहीं 'पैसे का लालच' समस्याओं की जड़ है। पैसा अपने आप में केवल एक जरिया यानी टूल है, जो आपके पास मौजूद संसाधनों को बढ़ाने की क्षमता रखता है।

मिथ: निवेश के लिए मार्केट को 'टाइम' करना (सही समय का इंतजार) जरूरी है।

फैक्ट: 'टाइम इन द मार्केट' (बाजार में समय बिताना) 'टाइमिंग द मार्केट' (बाजार का सही समय चुनना) से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। नियमित रूप से निवेश करना (जैसे एस आई पी के जरिए) और धैर्य रखना ही धन सृजन का सबसे विश्वसनीय तरीका है। शेयर बाजार में 'कब' निवेश करना है, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप 'कितने समय' तक निवेशित रहते हैं, क्योंकि निरंतरता ही वेल्थ क्रिएशन की असली कुंजी है। बाजार में अधिक समय बिताने से लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज और धैर्य के कारण बेहतर रिटर्न मिलता है, जो पोर्टफोलियो को बढ़ने का मौका देता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड अकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

बॉलीवुड ट्रेंड

डी. जे. नंदन

'हम दोनों' का गीत 'अभी न जाओ..'

'वो कौन थी' का गीत 'लग जा गले..'

अब क्यों नहीं बन पाते रूहानी सुकून देते गीत

पुराने फिल्मी गीतों को आज भी सुनें, तो ऐसा लगता है मानो किसी ने कानों में मिश्री घोल दी हो। ठहराव और सकून से भरे ये गीत सीधे रूह में उतरते हैं। आज ऐसे गीत कम ही बनते हैं। बॉलीवुड सॉन्ग्स के इस बदले हुए ट्रेंड पर एक नजर।

कई फिल्मी गीत ऐसे होते हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। बीते दौर के सदाबहार गीतों पर यह बात पूरी तरह लागू होती है। ये गाने सुनने के दौरान ही नहीं बल्कि उसके बाद भी देर तक दिलो-दिमाग में गूंजते रहते हैं। अब ऐसे गीत कम ही बनते हैं। आज ऐसे गीत कम इसलिए नहीं हैं कि प्रतिभा खत्म हो गई है, बल्कि इसलिए कि दिल तक पहुंचने का रास्ता बदल गया है और यह छोटा भी कर दिया गया है। अगर हम आज के बॉलीवुड गीत-संगीत को ध्यान से सुनें, तो साफ पता चलता है कि मंद्र सप्तक यानी नीचे सुर में गाए गए, ठहरे हुए, भावप्रधान और गहराई वाले गीत अब अपवाद बनते जा रहे हैं।

सदाबहार गीतों का दौर: बीते दौर के गीतों को सुनते हुए एक सुकून, एक ठहराव-सा महसूस होता है। मसलन, फिल्म 'वो कौन थी' के इस गीत पर गौर करें, 'लग जा गले...'(स्वर-लता मंगेशकर, संगीत-मदन मोहन) यह गीत सुकून की पराकाष्ठा पर पहुंचाता है। आवाज में न कोई जल्दबाजी है, न दिखावा। बस एक अंतिम आग्रह, जो सरगोशी में भी अमर हो गया। इसी तरह फिल्म 'अमर प्रेम' का 'चिंगारी कोई भड़के...'(स्वर-किशोर कुमार, संगीत-आर. डी. बर्मन), किशोर कुमार का यह गीत यह साबित करता है कि मध्यम और नीचा सुर कमजोरी नहीं, गीत की ताकत भी होती है। 'अभी न जाओ छोड़कर...'(फिल्म 'हम दोनों', स्वर-मोहम्मद रफी और आशा भोसले, संगीत-जयदेव) गीत को सुनें तो इस गीत में संवाद है, आग्रह है और प्रेम का सभ्य ठहराव है। सुर इतने संयमित हैं कि आज भी इस गीत को सुनते हुए लोग इसमें खो जाते हैं। ऐसे ही 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए...' (फिल्म 'आनंद', स्वर-मुकेश, संगीत- सलिल चौधरी) गीत दिन और जीवन- दोनों के ढलने का संगीतात्मक रूपक है। और इसी तरह 'वो शाम कुछ अजीब थी..' (फिल्म 'खामोशी', स्वर-किशोर कुमार, संगीत- हेमंत कुमार) गीत में सुर सिर्फ चलते ही नहीं, ठहरते भी हैं। यही ठहराव इस गीत की आत्मा है।

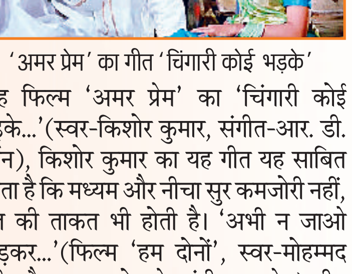

'अमर प्रेम' का गीत 'चिंगारी कोई भड़के'

क्यों कम बन रहे ऐसे गीत: सवाल यह है कि आज के समय में बीते दौर की तरह सुकूनदायक, रूहानी और ठहराव भरे गीत क्यों नहीं बनते? खोजने पर इसके कई कारण निकलकर सामने आते हैं। जैसे-आज के गीत 'सुनाई देने' के लिए बनाए जाते हैं, 'महसूस होने' के लिए नहीं। तेज बीट्स और ऊंचे सुर तुरंत ध्यान खींचते हैं, जबकि नीचे सुर धीरे और स्थायी असर करते हैं। आज की फास्ट लाइफ, मोबाइल स्पीकर, रील्स और जिम प्लेलिस्ट को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे गीतों में वो सुकून, वो ठहराव महसूस करना मुश्किल है। आज के समय में म्यूजिक कंपनियां चाहती हैं पहले 10 सेकेंड में ही हिट और व्यूज मिल जाए। नीचे सुर वाला गीत धीरे खुलता है, इसलिए उसे आज के दौर में 'रिस्की' माना जाता है।

वॉल्यूम-बीट्स को महत्व: बीते दौर में गायक फिल्म के किरदार से पहले गीत के भाव खोजते थे। आज के अधिकतर गाने में एक्टर और उसकी स्क्रीन इमेज का पहले ध्यान रखा जाता है। इस प्रयास में कई बार गायकी पर वॉल्यूम और बीट्स भारी पड़ जाते हैं।

शास्त्रीय प्रशिक्षण की कमी: नीचे और मध्यम सुर में गाना आसान नहीं होता। इसके लिए रियाज, सांस पर नियंत्रण और धैर्य चाहिए होता है, जो आज के गायकों में कम होता जा रहा है।

'ऐ दिल है मुश्किल' का गीत 'चन्ना मेरेया'

कभी-कभार सुनाई पड़ते हैं मधुर गीत: अच्छे, मधुर गीत भले ही आज फिल्म संगीत के हाशिए पर चले गए हैं, लेकिन ये पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। आज भी कुछ मधुर गीत बन रहे हैं, जो बिना शोर किए दिल में उतर जाते हैं। उदाहरण के तौर पर हम आज के दौर के कुछ बेहतरीन सीधे रूह में उतरने वाले गीतों को देख सकते हैं- फिल्म 'तमाशा' के गीत 'अगर तुम साथ हो..' (गायक-अरिजीत सिंह और अलका याग्निक, संगीत- ए. आर. रहमान) गीत आज के दौर में मधुर गीत की सबसे सशक्त वापसी है। अलका याग्निक की आवाज पुराने दौर की गंभीरता लौटाती है, जबकि अरिजीत का संयम गीत को समकालीन बनाता है। इसी तरह फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' के गीत 'चन्ना मेरेया..' (गायक-अरिजीत सिंह, संगीत- प्रीतम) का मुखड़ा भले ही ऊंचाई छूता हो, लेकिन गीत का अंतरा और भावात्मक आधार नीचे सुर में ही बैठे हैं। यह गीत इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि कम ही सही लेकिन आज भी नीचे सुर के भावप्रवण गीत लोगों को खूब भाते तो हैं ही, फिल्म मेकर्स को व्यावसायिक सफलता भी दिलवा सकते हैं।

बाजार का है दबाव: आज का संगीत उद्योग जिनके हिसाब से चलता है, उनमें से बड़ी संख्या रील देखने वाले युवाओं की है। पहले 10 सेकेंड में रुकने या स्क्रॉल करने वाले श्रोता और दर्शक, जिनकी पसंद पर पैसा, प्रमोशन और ट्रेंड तय होता है- वे तेज, ऊंचे और तुरंत पकड़ में आने वाले सुर चाहते हैं। मध्यम और नीचे सुर का गीत धीरे खुलता है, दो-तीन बार सुनने पर असर करता है, अकेलापन और ठहराव की मांग करता है। आज के संगीत प्रेमियों और इंडस्ट्री को गायक से ज्यादा परफॉर्मर चाहिए। लाइव शो, डांस, स्क्रीन प्रेजेंस भी मायने रखता है। इन्हीं सब पहलुओं को ध्यान में रखकर आज के गीत-संगीत को रचा जाता है। देखा जाए, तो मामला सीधा-सीधा प्रोफेशनल प्रेशर के साथ ही 'डिमांड एंड सप्लाई' का माना जा सकता है। *